4 नवम्बर 2026

बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण



मशीनें लगाकर खानापूर्ति नहीं चलेगी, सभी स्वास्थ्य सुविधाएं बहाल करे अस्पताल प्रबंधनः हरेकृष्ण यादव

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

खबरें फटाफट

पंचायत योजनाओं के लाभ के लिए बदलेगा पहचान का तरीका

गंगटोक। केंद्र सरकार पंचायत राज से जुड़ी योजनाओं में लाभार्थियों की पहचान का तरीका बदलने की तैयारी कर रही है। अब सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड को पहचान का प्राथमिक दस्तावेज नहीं माना जाएगा। इसकी जगह वोटर आईडी कार्ड यानी एपिक नंबर को पहचान का आधार बनाया जाएगा। लाभार्थियों को इसके साथ बायोमेट्रिक सत्यापन भी कराना होगा।

दिवाली-छठ पर दिल्ली समेत कई स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट बंद

नई दिल्ली। दिवाली और छठ पर ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दिल्ली के प्रमुख स्टेशनों पर कई पाबंदियां लगाई हैं। यात्रियों की सुरक्षा और स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए छह स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद रहेगी। वहीं, चार स्टेशनों पर पार्सल की बुकिंग और सामान चढ़ाने-उतारने पर भी रोक लगाई गई है।उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार, तीन से 14 नवंबर 2026 तक नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद, आनंद विहार टर्मिनल और आनंद विहार हॉल्ट पर प्लेटफॉर्म टिकट नहीं मिलेंगे। हालांकि, बुजुर्ग, बीमार, दिव्यांग और अशिक्षित यात्रियों के साथ आने वाले लोगों को छूट दी गई है। जरूरत पड़ने पर महिला यात्रियों की मदद के लिए आने वाले लोगों को भी प्लेटफॉर्म टिकट दिया जाएगा। प्लेटफॉर्म टिकट के अलावा रेलवे ने पार्सल सेवाओं पर भी अस्थायी रोक लगाई है। नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल और दिल्ली जंक्शन पर तीन से 15 नवंबर तक विभागीय पार्सल बुकिंग बंद रहेगी। वहीं, पांच से 15 नवंबर तक सभी तरह के पार्सल की लोडिंग और अनलोडिंग नहीं होगी।

फॉर्म-6 भरने का मतलब यह नहीं, आवेदक पहली बार मतदाता बन रहा

- **दोबारा आवेदन करने के आधार पर उनके खिलाफ धारा 31 के तहत कार्रवाई नहीं होगी**
- **वोटर नाम का किसी दूसरी लोकसभा या विधानसभा क्षेत्र की सूची में दर्ज नहीं होना चाहिए।**



एजेंसी। नई दिल्ली

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में जिन लोगों का नाम नहीं है, उन्हें चुनाव आयोग ने बड़ी राहत दी है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि पहले मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के बावजूद अब नाम नहीं मिलने पर भी व्यक्ति फॉर्म-6 भर सकता है। इसके लिए उसे पहली बार मतदाता बनने वाला आवेदक नहीं माना जाएगा। आयोग ने यह भी साफ किया है कि केवल इस वजह से किसी मतदाता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी कि उसका नाम पहले सूची में था और उसने एसआईआर के दौरान फॉर्म-6 जमा किया है। आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस स्पष्टीकरण का प्रचार करने का निर्देश दिया है। ड्राफ्ट एसआईआर सूची में नाम नहीं होने पर पहले से पंजीकृत मतदाता भी फॉर्म-6 भर सकते हैं।फॉर्म-6 भरने का मतलब यह नहीं होगा कि आवेदक पहली बार मतदाता बन रहा है केवल पहले मतदाता सूची में नाम होने और दोबारा फॉर्म-6 भरने के आधार पर कार्रवाई नहीं होगी।आवेदक का नाम किसी दूसरी लोकसभा या विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में पहले से दर्ज नहीं होना चाहिए। फॉर्म-6 में दी गई घोषणा भी नियमों के अनुसार सही होनी चाहिए।

पहले से वोटर रहे लोग फॉर्म-6 भर सकते

चुनाव आयोग ने अपने पत्र में बताया कि फॉर्म-6 में दी जाने वाली घोषणा 1 अगस्त 2022 से लागू है। ड्राफ्ट मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर किसी भी व्यक्ति को अंतिम मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 जमा करना होगा। यह नियम उन लोगों पर भी लागू है, जिनका नाम पहले किसी मतदाता सूची में दर्ज था। यानी एसआईआर के दौरान नाम छूट जाने पर उन्हें नए सिरे से नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करना होगा। आयोग ने साफ किया है कि पहले मतदाता रह चुके व्यक्ति का फॉर्म-6 जमा करना अपने आप में गलत घोषणा नहीं माना जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत केवल इस आधार पर कार्रवाई नहीं की जाएगी कि किसी व्यक्ति का नाम पहले मतदाता सूची में था और उसने एसआईआर के दौरान या उसके बाद फॉर्म-6 जमा किया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को दिया निर्देश

चुनाव आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस स्पष्टीकरण की जानकारी संबंधित लोगों तक पहुंचाने को कहा है। आयोग ने इसे सार्वजनिक हित से जुड़ा मामला बताया है। निर्देश दिया गया है कि स्थानीय भाषाओं में भी इसका व्यापक प्रचार किया जाए। इसके लिए राज्य में उपलब्ध मीडिया माध्यमों का इस्तेमाल करने को कहा गया है। आयोग का यह स्पष्टीकरण उन मतदाताओं के लिए अहम है, जिनका नाम एसआईआर की ड्राफ्ट सूची में नहीं आया है और जो फॉर्म-6 भरने को लेकर कानूनी कार्रवाई की आशंका जता रहे थे।

संबंधित अंचल के विशेष सर्वेक्षण शिविरों में कार्यरत विशेष सर्वेक्षण अमीनों की आनुपातिक आधार पर प्रतिनियुक्ति की जाएगी

बिहार सरकार का एक्शन रू हड़ताल पर गए अमीन पदों से बर्खास्त



- **विभाग ने हड़ताल में शामिल अमीनों का ई-मापी पोर्टल पर आईडी किया ब्लॉक**

एजेंसी। पटना

हड़ताल पर गए अमीनों के खिलाफ राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। विभाग ने हड़ताल में शामिल अमीनों को उनके सभी दायित्वों एवं कार्यों से तत्काल प्रभाव से मुक्त करने का निर्देश दिया है। साथ ही, ई-मापी पोर्टल से उनकी आईडी निष्क्रिय करने का भी आदेश जारी किया गया है। उनके स्थान पर संबंधित अंचल के विशेष सर्वेक्षण शिविरों में कार्यरत विशेष सर्वेक्षण अमीनों की आनुपातिक आधार पर प्रतिनियुक्ति की जाएगी। इस संबंध में विभाग के अपर सचिव अमित कुमार पाण्डेय ने मंगलवार को राज्य के सभी समाहताओं को पत्र जारी किया है। पत्र में कहा गया है कि अमीनों की मांगों को लेकर विभागीय स्तर पर वार्ता की गई थी। उनकी मांगों पर की गई कार्रवाई से उन्हें अवगत कराते हुए तत्काल अपने कार्यस्थल एवं अंचल कार्यालय में योगदान देने का स्पष्ट निर्देश दिया गया था। इसके बावजूद जिलों से अमीनों के लगातार हड़ताल पर बने रहने की सूचना प्राप्त हो रही है। अमीनों की लगातार हड़ताल के कारण ई-मापी के लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इससे लोकहित के कार्यों और राजस्व संबंधी गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इसे देखते हुए प्रशासनिक एवं लोकहित के दृष्टिकोण से यह निर्णय लिया गया है।

ई-मापी पोर्टल पर ऑनबोर्ड कराने की जिम्मेदारी सौंपी

जारी निर्देश के अनुसार, हड़ताल में शामिल नहीं होने वाले अमीन अपने पदों पर पूर्ववत कार्य करते रहेंगे। वहीं, हड़ताल में शामिल अमीनों के रिक्त स्थानों पर संबंधित अंचल के विशेष सर्वेक्षण अमीनों की आनुपातिक रूप से प्रतिनियुक्ति की जाएगी। संबंधित अंचल अधिकारी को प्रतिनियुक्त अमीनों को मापी कार्य के लिए ई-मापी पोर्टल पर ऑनबोर्ड कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी समाहताओं को निर्देश दिया है कि अगले 24 घंटे के भीतर इन आदेशों का पालन सुनिश्चित कराएं और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट विभाग को उपलब्ध कराएं। साथ ही, संबंधित अंचल अधिकारियों एवं राजस्व अधिकारियों को पोर्टल पर प्रतिनियुक्त अमीनों को सक्रिय करने की आवश्यक प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने को कहा गया है।

दिया गया था 24 घंटे का अल्टीमेटम

पिछले कई दिनों से चल रही राजस्व कर्मचारियों और अमीनों की हड़ताल के चलते अंचल कार्यालय में जमीन से जुड़े सभी काम ठप हो गया था। इसी को लेकर अब बिहार के राजस्व भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने राजस्व कर्मचारियों और अमीनों को अल्टीमेटम देते हुए 24 घंटे में काम पर लौटने का आदेश जारी किया था।बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर जारी आदेश में कहा गया था कि अमीन संघ के प्रतिनिधियों एवं अन्य सदस्यों के साथ मंत्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में 14 अक्टूबर 2026 को एक वार्ता बैठक आयोजित की गई थी। इसमें उनकी जायज मांगों पर विभाग की ओर से सकारात्मक अपेक्षित कार्रवाई, नियमानुकूल मांगों को मानने सहित अन्य को लेकर अमीन संघ के प्रतिनिधियों को बता दिया गया था।

अनुप्रिया पटेल तीसरी बार बनीं अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष



एजेंसी। नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन करते हुए ये टिप्पणियां कीं। बोरा ने जाति-आधारित भेदभाव और धार्मिक संस्थानों की भूमिका पर बात करते हुए कहा कि महिलाओं और समाज के अन्य कमजोर वर्गों को उस व्यवस्था से सुरक्षा की जरूरत है, जिसे उन्होंने "ब्राह्मणवादी व्यवस्था" करार दिया। "सुरक्षा बेहद जरूरी है और यह सुरक्षा खास तौर पर ब्राह्मणवादी व्यवस्था से ही चाहिए। यह एक ऐसी व्यवस्था है जो मानती है कि गरीब, शोषित, जानवर और महिलाएं - ये सभी दमन और दुर्व्यवहार के ही लायक हैं। इसी व्यवस्था के तहत ब्राह्मण महिलाएं भी सुरक्षित नहीं हैं। वे दुष्कर्म का शिकार होती हैं। मंदिरों के भीतर पुजारी दुष्कर्म करते हैं। हमने ऐसी घटनाएं देखी हैं। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा को "ब्राह्मणवादी व्यवस्था" और धार्मिक संस्थानों पर उनकी टिप्पणियों के लिए एनडीए नेताओं की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा और शिवसेना नेताओं ने उन पर सनातन धर्म को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें मंच उपलब्ध कराए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि उनके विचारों में राहुल गांधी (जो कांग्रेस सांसद भी हैं) का प्रभाव झलकता है।

महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों को सुरक्षा की जरूरतः नेहा बोरा

एजेंसी। नई दिल्ली

गुवाहाटी तक बुलेट ट्रेन पहुंचाने की योजना को मंजूरी मिलने के बाद अब इसके रास्ते और तकनीक को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। यह ट्रेन पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले संवेदनशील चिकन नेक गलियारे से गुजरेगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को बताया कि इस संकरे रास्ते को पार करने के लिए भूमिगत सुरंग या जमीन से ऊपर एलिवेटेड ट्रैक बनाया जा सकता है। अभी इसका अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इसके लिए सर्वे और तकनीकी अध्ययन किया जाएगा। मुख्यमंत्री के मुताबिक, इस परियोजना पर सामान्य रेल परियोजना के मुकाबले दो से तीन गुना अधिक खर्च आ सकता है।प्रस्तावित बुलेट ट्रेन नई दिल्ली से गुवाहाटी तक जाएगी।इसके लिए उत्तर कॉरिडोर को मंजूरी दी गई है।प्रस्तावित मार्ग में दिल्ली, आगरा, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, पटना और सिलीगुड़ी शामिल हैं।चिकन नेक गलियारे को पार करने के लिए भूमिगत या एलिवेटेड ट्रैक का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस हिस्से में अलग तकनीक और विशेष इंजीनियरिंग की जरूरत होगी।बुलेट ट्रेन के लिए मौजूदा रेलवे ट्रैक का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।





एक नजर

त्योहारों की मिठास में मिलावट घोलने वालों पर प्रशासन की नजर, दुकानों में छापेमारी



राजपुर। त्योहारों के उल्लास के बीच लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों की अब खैर नहीं। मिठाइयों की बढ़ती मांग के साथ मिलावट की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। इसी कड़ी में मंगलवार को राजपुर, तियरा समेत आसपास के बाजारों में मिठाई दुकानों पर औचक छापेमारी कर दुकानदारों को साफ संदेश दिया गया कि त्योहार की आड़ में मिलावटखोरी और मनमानी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अंचल अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह और राजपुर थानाध्यक्ष निवास कुमार के नेतृत्व में हुई संयुक्त कार्रवाई से मिठाई कारोबारियों में अफरातफरी का माहौल रहा। इस दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों को मिठाइयों के निर्माण, रखरखाव और बिक्री में खाद्य सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने की हिदायत दी। साथ ही साफ-सफाई और गुणवत्तापूर्ण सामग्री के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया। सीओ डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि त्योहारों के दौरान अधिक मुनाफा कमाने के लिए खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। जांच में मिलावट अथवा अन्य अनियमितता सामने आने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान महज एक दिन की औपचारिकता नहीं है। क्षेत्र की सभी मिठाई दुकानों पर लगातार निगरानी और जांच की जाएगी, ताकि आम लोगों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। प्रशासन ने उपभोक्ताओं से भी सजग रहने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि मिठाई खरीदते समय उसकी गुणवत्ता, ताजगी और दुकान की साफ-सफाई पर ध्यान दें। कहीं मिलावट या घटिया सामग्री के इस्तेमाल का संदेह हो तो तत्काल संबंधित विभाग अथवा स्थानीय प्रशासन को सूचना दें। प्रशासन की इस पहल का मकसद त्योहारों की खुशियों को मिलावट के जहर से बचाना और लोगों की सेहत की हिफाजत करना है।

युवाओं की ताकत से ही मजबूत होगा भाजपा का संगठन, दीपक यादव ने प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में दिखाई एकजुटता



डुमरांव। बिहार में भाजपा संगठन को मजबूत बनाने और युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का संदेश मंगलवार को डुमरांव में देखने को मिला। राष्ट्रीय राजमार्ग-922 पर डुमरांव के समीप बक्सर जाने के दौरान भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी का युवा नेता दीपक यादव के नेतृत्व में युवाओं एवं पार्टी कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान उत्साह और संगठनात्मक एकजुटता का माहौल दिखा। युवाओं ने फूल-मालाओं एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान युवा नेता दीपक यादव ने कहा कि संजय सरावगी का प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व मिलना भाजपा के कार्यकताओं और विशेषकर युवाओं के लिए नई ऊर्जा का संचार करने वाला है। उनके अनुभव, कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में बिहार में पार्टी संगठन और अधिक मजबूत तथा प्रभावशाली बनेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता और ऊजार्वान युवा हैं। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही संगठन की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। दीपक यादव ने आगे कहा कि युवा वर्ग पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है। प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन से युवाओं को संगठनात्मक गतिविधियों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दिनों में बिहार में भाजपा का जनाधार और संगठनात्मक मजबूती दोनों बढ़ेंगे। इस मौके पर सुजीत सिंह, अभिषेक रंजन, रोहित सिंह, राजा यादव, अमन सिंह, सुनील सिंह, अरविंद कुमार समेत बड़ी संख्या में युवा एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रामीण बाजारों में अवैध पटाखा कारोबार पर प्रशासन का शिकंजा, दुकानदारों को सख्त चेतावनी

- **तियरा और राजपुर बाजार में सीओ व थानाध्यक्ष ने की पटाखा दुकानों की जांच, बिना लाइसेंस बिक्री पर होगी कानूनी कार्रवाई, सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वालों पर भी रहेगी नजर**



केटी न्यूज/राजपुर

त्योहारी सीजन में पटाखों की बिक्री के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की चूक न हो, इसे लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी कड़ी में मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के तियरा और राजपुर बाजार में अंचल प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने पटाखा दुकानों की सघन जांच की। सीओ डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह और थानाध्यक्ष निवास कुमार ने दुकानों का निरीक्षण कर लाइसेंस, बिक्री स्थल और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही दुकानदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए नियमों का पालन करने की हिदायत दी।

जांच के दौरान सीओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ग्रामीण बाजारों में बिना वैध लाइसेंस के पटाखों की बिक्री किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई दुकानदार चोरी-छिपे या अवैध तरीके से पटाखों का कारोबार करता पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर आम लोगों और दुकानदारों को पहले से ही नियमों की जानकारी दी जा रही है, ताकि किसी तरह की अवैध गतिविधि को रोका जा सके।

सीओ ने कहा कि पटाखा बिक्री के इच्छुक दुकानदारों को पहले निर्धारित स्थल का चयन कर लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा। विभागीय जांच में स्थल और अन्य व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाने पर ही लाइसेंस जारी किया जाएगा। अधिकारियों ने दुकानदारों को सुरक्षा के प्रति विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अधिक विस्फोटक क्षमता वाले पटाखों का भंडारण नहीं करने, दुकानों के आसपास ज्वलनशील पदार्थ नहीं रखने तथा आग से बचाव के इंतजाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। प्रशासन का उद्देश्य स्पष्ट है कि त्योहार की खुशियां किसी हादसे में न बदलें।

मशीनें लगाकर खानापूर्ति नहीं चलेगी, सभी स्वास्थ्य सुविधाएं बहाल करे अस्पताल प्रबंधन: हरेकृष्ण यादव



- **फिजियोथेरेपी सेवा की बदहाली के खिलाफ दूसरे दिन भी अनिश्चितकालीन धरना जारी, भूख हड़ताल की चेतावनी, अल्ट्रासाउंड सेवा, डॉक्टरों की कमी और शौचालयों की गंदगी पर भी घेरा अस्पताल प्रशासन**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन अब व्यापक रूप लेने लगा है। फिजियोथेरेपी मशीनों का इंस्टॉलेशन और नियमित संचालन सुनिश्चित करने की मांग को लेकर समाजसेवी हरेकृष्ण सिंह यादव के नेतृत्व में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। धरनार्थियों ने अस्पताल प्रबंधन को दो टूक चेतावनी दी है कि महज कुछ मशीनें लगाकर आंदोलन को खत्म नहीं कराया जा सकता। जब तक सभी उपलब्ध मशीनें विधिवत इंस्टॉल कर चालू नहीं की जातीं और मरीजों को नियमित सुविधा नहीं मिलने लगती, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। धरने का नेतृत्व कर रहे हरेकृष्ण सिंह यादव ने कहा कि अस्पताल में लाखों रुपये की लागत से स्वास्थ्य उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं, लेकिन उनका लाभ मरीजों को नहीं मिलना व्यवस्था की गंभीर विफलता है। उन्होंने कहा, "अस्पताल में मशीनें रखना और फिर उन्हें धूल फांकने के लिए छोड़ देना जनता के पैसे की बबार्दी है। मरीजों को सुविधा देने के नाम पर सिर्फ कागजी व्यवस्था नहीं चलेगी। सभी फिजियोथेरेपी मशीनों का इंस्टॉलेशन कराकर नियमित संचालन सुनिश्चित करना होगा। जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, हमारा धरना जारी रहेगा। जरूरत पड़ी तो हम भूख हड़ताल शुरू करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

दो-तीन मशीनें लगाकर आंदोलन खत्म कराने की कोशिश

धरने के दूसरे दिन आंदोलन का असर अस्पताल प्रबंधन पर दिखाई दिया। फिजियोथेरेपी कक्ष में आनन-फानन में दो-तीन मशीनों का इंस्टॉलेशन कराया गया। हालांकि, धरनार्थियों ने इसे अधूरा प्रयास बताते हुए असंतोष जताया। उनका कहना है कि अस्पताल को जितनी मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं, उन सभी को चालू किए बिना मरीजों को वास्तविक लाभ नहीं मिल सकता। वहीं, दूसरे दिन भी सामान्य प्रशासन की ओर से कोई अधिकारी धरनास्थल पर पहुंचकर वार्ता करने नहीं आया।

अल्ट्रासाउंड बंद, डॉक्टरों की कमी और गंदगी पर भी सवाल

फिजियोथेरेपी के मुद्दे के साथ अब धरनार्थियों ने अस्पताल की दूसरी बुनियादी खामियों को भी आंदोलन का हिस्सा बना लिया है। उन्होंने डॉक्टरों की कमी, विशेषज्ञ चिकित्सक के अभाव में लंबे समय से बंद पड़ी अल्ट्रासाउंड सेवा और अस्पताल के शौचालयों में व्याप्त गंदगी पर कड़ी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि अल्ट्रासाउंड जैसी जरूरी जांच सुविधा उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को निजी जांच केंद्रों का रुख करना पड़ता है, जहां उन्हें आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ती है। वहीं, साफ-सफाई की बदहाल स्थिति मरीजों और उनके परिजनों के लिए अतिरिक्त परेशानी का कारण बनी हुई है।

संसाधन उपलब्ध हैं तो मरीजों को लाभ क्यों नहीं?

धरनार्थियों ने अस्पताल प्रबंधन से फिजियोथेरेपी की सभी मशीनें चालू कराने, चिकित्सक की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, अल्ट्रासाउंड सेवा तत्काल बहाल करने, डॉक्टरों की कमी दूर करने और शौचालयों की नियमित साफ-सफाई कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अनुमंडल अस्पताल क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए प्रमुख सरकारी स्वास्थ्य केंद्र है। ऐसे में यहां उपलब्ध संसाधनों का उपयोग और स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

सरकारी सड़क पर कब्जे की दीवार जेसीबी से ढहाई, ग्रामीणों को मिली राहत

- **लोक शिकायत निवारण के आदेश की अनदेखी पड़ी भारी, अंचल प्रशासन ने पुलिस बल की मौजूदगी में हटवाया अतिक्रमण, अमरपुर गांव में आवागमन का रास्ता हुआ सुगम**



केटी न्यूज/राजपुर

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर आम लोगों के आवागमन में बाधा डालना आखिरकार एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। लोक शिकायत निवारण कार्यालय के आदेश के बावजूद सरकारी सड़क की जमीन से कब्जा नहीं हटाने पर मंगलवार को अंचल प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए जेसीबी मशीन से अवैध निर्माण को ध्वस्त करा दिया। इस कार्रवाई के बाद अमरपुर गांव की मुख्य सड़क पर आवागमन का रास्ता साफ हो गया और लंबे समय से परेशानी झेल रहे ग्रामीणों को राहत मिली।

मामला धनसोई थाना क्षेत्र के अमरपुर गांव का है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव निवासी श्याम नारायण यादव ने मुख्य सड़क की सरकारी जमीन पर दीवार खड़ी कर अतिक्रमण कर लिया था। इसके चलते सड़क की चौड़ाई कम हो गई थी और ग्रामीणों के साथ राहगीरों को भी आने-जाने में कठिनाई होती थी। सड़क पर अवरोध के कारण स्थानीय लोगों को काफी दिनों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को लेकर गांव के प्रशांत कुमार, पिता रमाकांत सिंह ने लोक शिकायत निवारण कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की सुनवाई के बाद संबंधित जमीन से अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी किया गया था। प्रशासन ने अतिक्रमणकारी को स्वयं कब्जा हटाने का निर्देश भी दिया था। शुरूआत में उन्होंने ऐसा करने की सहमति जताई, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी आदेश का अनुपालन नहीं किया गया।

इसके बाद मंगलवार को सीओ डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में अंचल प्रशासन की टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण को हटवा दिया। कार्रवाई के दौरान धनसोई थाने के पुलिस अवर निरीक्षक अभय कुमार सिंह सहित पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

प्रशासन की इस कार्रवाई से स्पष्ट संदेश गया है कि सार्वजनिक रास्तों और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर आम लोगों की आवाजाही बाधित करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



आज होगी शांति देवी सार्वजनिक पुस्तकालय एवं का होगा उद्घाटन तैयारियां हुई पूरी

- **सांसद सुधाकर सिंह करेंगे उद्घाटन, एमएलसी सोनू राय रहेंगे मुख्य अतिथि,ग्रामीण युवाओं को मिलेगा अध्ययन का बेहतर माहौल**

केटी न्यूज/केसठ

ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा देने की दिशा में केसठ पंचायत की ओर से महत्वपूर्ण पहल की गई है। पंचायत द्वारा स्थापित शांति देवी सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय के उद्घाटन समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार को कन्या प्राथमिक विद्यालय, केसठ के परिसर में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन बक्सर सांसद सुधाकर सिंह करेंगे, जबकि एमएलसी सोनू राय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।समारोह की अध्यक्षता पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सह केसठ पंचायत के मुखिया अरविंद कुमार सिंह उर्फ गामा पहलवान करेंगे। इसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का अवसर: पुस्तकालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण और शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना है। यहां विभिन्न विषयों की पुस्तकों के अध्ययन के साथ युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और ज्ञान बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

शिक्षा के विकास में पुस्तकालय बनेगा सहायक: इस पहल से ग्रामीण विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर मंच मिलने के साथ क्षेत्र में अध्ययन की संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए यह पुस्तकालय उपयोगी साबित हो सकता है।मुखिया श्री पहलवान ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के विकास और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना की गई है। उन्होंने क्षेत्र के शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से उद्घाटन समारोह में शामिल होने की अपील की है।





कैलाशपति मिश्र की विरासत को स्मारक और पद्म विभूषण से मिले सम्मान, पुण्यतिथि पर उठी मांग



स्मारक निर्माण और पद्म विभूषण सम्मान की उठी मांग

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए लोजपा नेता, संसदीय बोर्ड के सदस्य एवं ब्रह्मपुर विधानसभा के पूर्व एनडीए प्रत्याशी हुलास पांडेय ने कैलाशपति मिश्र की स्मृति को चिरस्थायी बनाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि मिश्र का जीवन विचारधारा, सिद्धांत और संगठन के प्रति आजीवन समर्पण का उदाहरण रहा है। उनके योगदान को देखते हुए उनके नाम पर भव्य स्मारक का निर्माण कराया जाना चाहिए। साथ ही किसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल का नामकरण उनके नाम पर करने और उन्हें मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित करने की मांग भी की।

हुलास पांडेय ने कहा कि महापुरुषों का सम्मान केवल पुण्यतिथि मनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके विचारों और योगदान को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए स्थायी पहल होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा और प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इन मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया है। उन्होंने एनडीए की एकजुटता और आपसी समन्वय को भी रेखांकित किया।

नेताओं ने संगठन निर्माण में योगदान को किया याद

कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कैलाशपति मिश्र को भाजपा की विचारधारा और संगठनात्मक मजबूती का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन निर्माण और सार्वजनिक जीवन में शुचिता के प्रति समर्पित रहा। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने संगठन के विस्तार और विचारधारा को मजबूत करने का काम किया। उनका संघर्ष, सादगी और समर्पण कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। वहीं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि कैलाशपति मिश्र का जीवन त्याग, तपस्या, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उनके विचार आज भी जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओमप्रकाश भुवन ने की, जबकि संचालन कन्हैया दुबे ने किया। मौके पर प्रिंस दुबे, अनु तिवारी, बद्री विशाल ओझा, हम जिलाध्यक्ष ऋषि राय, अखिलेश सिंह, अमरेंद्र पांडेय, पंकज दुबे, संतोष मिश्रा, रोहित दुबे, अमित दुबे, विनोद राय, भुटेली तिवारी, दिलीप चंद्रवंशी, दिनेश पांडेय और तेजनारायण ओझा सहित भाजपा एवं एनडीए के अनेक नेता, पदाधिकारी और हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार में भाजपा के संगठनात्मक विस्तार और पार्टी को मजबूत आधार देने में अहम भूमिका निभाने वाले दिवंगत वरिष्ठ नेता कैलाशपति मिश्र की 14वीं पुण्यतिथि मंगलवार को डुमरांव अनुमंडल के बड़का ढकाइच पंचायत में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। एनएच-922 के किनारे आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जहां उनके राजनीतिक योगदान और संगठन निर्माण की यात्रा को याद किया गया, वहीं उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। सभा में कैलाशपति मिश्र की स्मृति को स्थायी पहचान देने के लिए भव्य स्मारक निर्माण, किसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल का नामकरण और मरणोपरांत पद्म विभूषण सम्मान देने की मांग की गई। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मुख्य रूप से शामिल हुए। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके बाद अतिथियों और उपस्थित नेताओं ने कैलाशपति मिश्र के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। बक्सर विधायक आनंद मिश्र और राजपुर विधायक संतोष निराला समेत कई जनप्रतिनिधियों ने भी श्रद्धांजलि दी।

एक नजर

स्टेशन से लौट रहे किशोरों की बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से भिड़ी, दो घायल

चौसा। चौसा स्टेशन मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला। मंगलवार को हाईस्कूल के समीप दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में दो किशोर घायल हो गए। हादसे में 17 वर्षीय संटू पांडेय को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार 14 वर्षीय छोटू पांडेय को मामूली चोट लगी है। संटू की नाजुक स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया। फिलहाल वहां उसका इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, चौसा बारा मोड़ निवासी संतोष पांडेय का पुत्र संटू पांडेय किसी परिचित को ट्रेन पकड़ाने के लिए चौसा रेलवे स्टेशन गया था। वहां से अपने गांव लौटने के दौरान जैसे ही वह हाईस्कूल के पास पहुंचा, सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों किशोर सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद दूसरी बाइक का चालक अपनी बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। इधर, सड़क पर घायल पड़े दोनों किशोरों को देखकर स्थानीय ग्रामीण तत्काल मदद के लिए आगे आए। ग्रामीणों ने दोनों को चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे और घायलों को सदर अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने संटू की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे वाराणसी रेफर कर दिया, जबकि छोटू को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घायल किशोरों की पहचान संतोष पांडेय के 17 वर्षीय पुत्र संटू पांडेय तथा शिवशंकर पांडेय के 14 वर्षीय पुत्र छोटू पांडेय के रूप में हुई है। इस संबंध में मुफस्सिल थाना के एसआई अवधेश कुमार ने बताया कि दो बाइकों की टक्कर में दो किशोर घायल हुए हैं। इनमें एक की हालत गंभीर है और उसका वाराणसी में इलाज चल रहा है।

पंचायतों में पहुंचा जिला प्रशासन, अधिकारियों ने ग्रामीणों से सुनीं समस्याएं

बक्सर। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अब ग्रामीणों को जिला और प्रखंड मुख्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। पंचायत स्तर पर ही प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी और योजनाओं से जुड़ी परेशानियों के समाधान की पहल होगी। इसी उद्देश्य से मंगलवार को बक्सर जिले की विभिन्न पंचायतों में पंचायत सहयोग शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों के जरिए जिला प्रशासन ने गांवों तक अपनी पहुंच बढ़ाने और ग्रामीणों को प्रशासन से सीधे संवाद का अवसर उपलब्ध कराने की पहल की। शिविरों में जिले के वरीय अधिकारियों की मौजूदगी ने इस अभियान को खास महत्व दिया। ब्रह्मपुर प्रखंड की निमेज पंचायत में डीडीसी निहारिका छवि ने शिविर में भाग लिया। वहीं, राजपुर प्रखंड की हरपुर पंचायत में अपर समाहर्त्ता अरुण कुमार सिंह तथा सिमरी प्रखंड की गंगौली पंचायत में अपर समाहर्त्ता, विभागीय जांच शशिकांत पासवान शामिल हुए। अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला। दरअसल, ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार जानकारी के अभाव, कागजी प्रक्रियाओं और विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने के कारण पात्र लाभुक सरकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। वहीं, छोटी-छोटी प्रशासनिक समस्याओं के समाधान में भी लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। पंचायत सहयोग शिविरों के माध्यम से इन मुश्किलों को कम करने की कोशिश की जा रही है। शिविरों में संबंधित विभागों के माध्यम से समस्याओं की पहचान कर उनके नियमानुसार समाधान की दिशा में कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। निमेज पंचायत में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए डीडीसी निहारिका छवि ने पंचायत स्तर पर जनसुविधाओं की उपलब्धता और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक सेवाओं की पहुंच मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, हरपुर और गंगौली पंचायतों में वरीय अधिकारियों की सहभागिता से ग्रामीणों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने की पहल को मजबूती मिली।

किताबी पढ़ाई से आगे बढ़कर हुनर की पाठशाला बना राइजिंग सन स्कूल, प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई बौद्धिक क्षमता

- **क्विज से लेकर भाषण, वाद-विवाद और स्पेलिंग तक में विद्यार्थियों ने आजमाया हुनर, ईओ राहुल धर दूबे ने कहा- सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी हैं ऐसी गतिविधियां**





केटी न्यूज/डुमरांव

बच्चों की प्रतिभा केवल किताबों के पन्नों तक सीमित नहीं होती, बल्कि उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए उचित मंच और अवसर भी चाहिए। इसी सोच को धरातल पर उतारते हुए स्थानीय राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को विभिन्न पाठ्येतर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता, तार्किक सोच, वाकपटुता और रचनात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन कर साबित किया कि प्रतिभा को निखारने के लिए पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियां भी जरूरी हैं। क्विज, भाषण, वाद-विवाद और स्पेलिंग प्रतियोगिताओं में बच्चों के उत्साह और आत्मविश्वास ने पूरे विद्यालय परिसर को जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन डुमरांव नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दूबे, विद्यालय के निदेशक ब्रह्मा ठाकुर तथा एकेडमिक निदेशक सिद्धार्थ ठाकुर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर मुख्य अतिथि ईओ राहुल धर दूबे ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करना नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करना भी है। इसके लिए पढ़ाई के साथ खेलकूद, भाषण, वाद-विवाद और ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं में भागीदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को सामने लाने के साथ उनमें आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता, तार्किक चिंतन और अपनी बात प्रभावशाली ढंग से रखने का गुण विकसित करती हैं। उन्होंने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण है पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना। वहीं, विद्यालय के निदेशक ब्रह्मा ठाकुर ने कहा कि राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ उन्हें जीवन की चुनौतियों के लिए भी तैयार करना है। बच्चों को सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित रखना शिक्षा का संपूर्ण उद्देश्य नहीं हो सकता। उनके अंदर मौजूद रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने के लिए विद्यालय में समय-समय पर इस तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। उन्होंने कहा कि मंच पर उतरकर अपनी बात रखना, सवालों का जवाब देना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेना बच्चों को भविष्य में आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एकेडमिक निदेशक सिद्धार्थ ठाकुर ने भी विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिताओं के परिणाम में क्विज में श्रेयांशी उपाध्याय ने प्रथम तथा पीयूष ठाकुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में नेहा देवी ने बाजी मारी, जबकि मानवी सिंह दूसरे स्थान पर रहीं। वाद-विवाद में उत्कर्ष और अंशिका की जोड़ी प्रथम तथा समीक्षा और आयुष की जोड़ी द्वितीय स्थान पर रही। वहीं, स्पेलिंग प्रतियोगिता में नंदिनी कुमारी ने पहला और ओमिका कुमारी ने दूसरा स्थान हासिल किया।

समापन समारोह में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण के साथ धन्यवाद ज्ञापन निदेशक ब्रह्मा ठाकुर एवं एकेडमिक निदेशक सिद्धार्थ ठाकुर ने किया। आयोजन को सफल बनाने में निकिता कुमारी, सोनू कुमार, विशाल त्रिपाठी, सुजीत, ईशाक, इंद्रजीत सिंह और कुशोमित सहित अन्य विद्यार्थियों की भूमिका सराहनीय रही। प्रतियोगिताओं ने बच्चों को अपनी क्षमता पहचानने और उसे निखारने का एक बेहतर मंच प्रदान किया।

दो महीने से वेतन का इंतजार, नगर परिषद के सफाई कर्मियों ने थामी झाड़ू

डुमरांव। शहर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी संभालने वाले सफाई कर्मियों की अपनी जिंदगी ही आर्थिक संकट से जूझ रही है। दो महीने से वेतन भुगतान में हो रही देरी और बार-बार आश्वासन के बावजूद बकाया राशि नहीं मिलने से नाराज डुमरांव नगर परिषद के सफाई कर्मियों का धैर्य मंगलवार को जवाब दे गया। आर्थिक तंगी से परेशान मजदूरों ने आखिरकार काम बंद कर दिया और अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया। सफाई कर्मियों के इस कदम ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली और मजदूरों के भुगतान की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, सफाई कर्मियों का कहना है कि पिछले दो महीनों से उन्हें नियमित रूप से मजदूरी नहीं मिली है। बीच में कुछ राशि का भुगतान जरूर किया गया था, लेकिन उस दौरान अधिकारियों ने शेष बकाया राशि का जल्द भुगतान करने का भरोसा दिया था। मजदूरों को उम्मीद थी कि अब उनकी आर्थिक परेशानी दूर होगी, लेकिन समय बीतने के बाद भी भुगतान नहीं हुआ। नतीजतन, अधिकारियों के आश्वासन पर टिकी उनकी उम्मीदें धीरे-धीरे नाराजगी में बदल गईं। सफाई कर्मियों का कहना है कि वेतन उनके परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार है। घर का राशन, बच्चों की पढ़ाई, दवाइयां और दूसरी जरूरी जरूरतें इसी मजदूरी से पूरी होती हैं। ऐसे में दो महीने तक भुगतान अटका रहने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। काम करने के बावजूद समय पर मेहनताना नहीं मिलना उनके लिए दोहरी परेशानी बन गया है। मजदूरों का कहना है कि जब तक उनकी मेहनत का उचित भुगतान नहीं होगा, तब तक परिवार की जरूरतों को पूरा करना मुश्किल बना रहेगा। गौरतलब है कि डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में पिछले करीब दो माह से विभागीय स्तर पर ही सफाई कार्य कराया जा रहा है। ऐसे में सफाई कर्मियों की नाराजगी और काम बंद करने का सीधा असर शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर पड़ सकता है।

गोकुल जलाशय के कायाकल्प की बनेगी कार्ययोजना, संरक्षण को लेकर दो दिवसीय मंथन शुरू

- **जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन बचाने के लिए जुटे अधिकारी, जनप्रतिनिधि व पर्यावरण विशेषज्ञ; विभागों के बीच समन्वय से धरातल पर उतरेगी समेकित प्रबंधन योजना**



केटी न्यूज/बक्सर

जिले के महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि क्षेत्र गोकुल जलाशय के संरक्षण, संवर्धन और दीर्घकालिक प्रबंधन को लेकर प्रशासन और वन विभाग ने पहल तेज कर दी है। जलाशय की जैव विविधता, जलीय पारिस्थितिकी और प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखने के साथ इसके समुचित विकास की रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से मंगलवार को दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार के अंतर्गत भोजपुर वन प्रमंडल, आरा द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, पर्यावरण विशेषज्ञों, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय समुदाय के लोगों ने भाग लिया।

कार्यशाला का उद्घाटन उप विकास आयुक्त निहारिका छवि, भोजपुर वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रद्युम्न गौरव, अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह तथा वेटलैंड्स इंटरनेशनल साउथ एशिया (डब्लूआईएसए) के आर्द्रभूमि विशेषज्ञ रवि प्रकाश एवं सरोज कुमार बारीक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में डब्लूआईएसए तकनीकी सहयोगी संस्था की भूमिका निभा रही है।

इस अवसर पर डीडीसी निहारिका छवि ने कहा कि गोकुल जलाशय का संरक्षण केवल वन विभाग या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी संबंधित विभागों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सामूहिक जवाबदेही है। जलाशय के प्रभावी प्रबंधन के लिए विभागीय समन्वय और जनभागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी हितधारकों से इस दिशा में सक्रिय सहयोग की अपील की।

वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रद्युम्न गौरव ने कहा कि गोकुल जलाशय एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र है। इसकी समेकित प्रबंधन योजना का उद्देश्य जैव विविधता, जलीय जीवन और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करना है। इसके लिए सरकारी विभागों, गैर-सरकारी संगठनों और स्थानीय समुदाय की सहभागिता आवश्यक है।

वहीं, अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह ने कहा कि जलाशय के विकास की योजनाएं तैयार करते समय उसके प्राकृतिक स्वरूप और पारिस्थितिक संतुलन को प्राथमिकता देनी होगी। योजनाबद्ध प्रयास और सभी हितधारकों की भागीदारी से ही संरक्षण का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

कार्यशाला के प्रथम दिन डब्लूआईएसए के विशेषज्ञ रवि प्रकाश ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ समेकित प्रबंधन योजना पर विस्तार से चर्चा की। इसमें संरक्षण गतिविधियों की प्राथमिकता, चरणबद्ध क्रियान्वयन, विभागवार जिम्मेदारियों और आपसी समन्वय के बिंदुओं पर मंथन हुआ। प्रतिभागियों से विभागीय सुझाव भी लिए गए।

कार्यशाला में जलाशय के आसपास की पंचायतों के मुखिया, विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी, सामाजिक एवं गैर-सरकारी संगठनों तथा स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

बुधवार को होगा व्यावहारिक प्रशिक्षण

कार्यशाला के दूसरे दिन बुधवार को प्रबंधन प्रभावशीलता आकलन उपकरण पर प्रशिक्षण और व्यावहारिक अभ्यास कराया जाएगा। इसके माध्यम से जलाशय की मौजूदा प्रबंधन व्यवस्था की प्रभावशीलता का आकलन कर कमियों की पहचान और सुधारात्मक उपाय तय किए जाएंगे। इस पहल से गोकुल जलाशय के संरक्षण को नई दिशा मिलने तथा दीर्घकालिक प्रबंधन में स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है।

कतिकनार में रात्रि रक्त पट्ट संग्रहण शिविर आयोजित, 217 लोगों की हुई जांच

- **300 लोगों की जांच का था लक्ष्य, शेष 83 लोगों की जांच के लिए बुधवार को फिर लगेगा शिविर**

केटी न्यूज/केसठ

स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर रात्रि रक्त पट्ट संग्रहण कार्यक्रम के तहत सोमवार की रात प्रखंड के कतिकनार में निःशुल्क रक्त जांच शिविर का आयोजन किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनय कुमार के नेतृत्व में आयोजित शिविर की अध्यक्षता मुखिया छठू राम ने की।शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 20 वर्ष से अधिक आयु के महिला एवं पुरुषों का रक्त नमूना संग्रहित कर फाइलेरिया समेत अन्य बीमारियों की जांच की। इस दौरान कुल 300 लोगों की जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें 217 लोगों का रक्त परीक्षण किया गया। जबकि शेष 83 लोगों की जांच अभी बाकी है।

बुधवार को दोबारा लगेगा जांच शिविर: इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनय कुमार ने बताया कि शिविर में 217 महिला एवं पुरुषों का रक्त परीक्षण किया गया है। शेष लोगों की जांच सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से विचार-विमर्श किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बुधवार को पुनः कतिकनार पंचायत में शिविर आयोजित कर शेष लोगों की जांच पूरी की जाएगी।

स्वास्थ्यकर्मियों ने निभाई जिम्मेदारी: शिविर के सफल संचालन में बीसीएम अभिषेक कुमार, बीवीडीएस उपेंद्र पांडेय, एलटी आनंद कुमार सिंह, वीटी अखिलेश कुमार, प्रदीप पासवान सहित एंबुलेंस 102 के चालक संजय कुमार, ईएमटी एवं ध्रुव कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर के दौरान जांच एवं रक्त नमूना संग्रहण का कार्य किया।

जल संरक्षण और हरियाली के संकल्प से संवरेगा बक्सर का भविष्य

- **जल-जीवन-हरियाली दिवस पर सतत विकास के लिए सामूहिक भागीदारी का आह्वान, पानी की बबार्दी रोकने और पौधों के संरक्षण पर दिया गया जोर**

केटी न्यूज/बक्सर

जल संरक्षण और हरियाली का विस्तार केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि यह समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। जनभागीदारी के जरिए ही पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। इसी संदेश के साथ मंगलवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में जिला जनसंपर्क कार्यालय के तत्वावधान में ह्यजल-जीवन-हरियाली दिवसह्न का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीडीसी निहारिका छवि की उपस्थिति में जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और सतत विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

कार्यक्रम का मुख्य विषय जल-जीवन-हरियाली : जन जागरूकता से सतत विकास की ओर सामूहिक पहल रहा। इस दौरान राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जलस्रोतों के संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि जल और हरियाली का संरक्षण केवल वर्तमान की जरूरत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की बुनियाद है। तेजी से बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों, जल संकट और जैव विविधता पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभावों के बीच सामूहिक प्रयासों की अहमियत और बढ़ गई है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा जीव-जंतुओं के अस्तित्व की रक्षा के लिए समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।



इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से आम नागरिकों से पानी की बबार्दी रोकने, वर्षा जल संचयन को अपनाने तथा तालाब, पोखर, कुएं समेत पारंपरिक जलस्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने की अपील की गई। साथ ही पौधरोपण करने के बाद पौधों की नियमित देखभाल और उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशासन ने लोगों से घर, विद्यालय, कार्यालय और पंचायत स्तर पर जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने की अपील करते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों और सामूहिक भागीदारी से बक्सर को स्वच्छ, हरा-भरा और जल-सुरक्षित जिला बनाया जा सकता है।

प्रदीप राय के आवास पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी का गर्मजोशी से स्वागत

- संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओंकी सक्रियता पर हुई विस्तृत चर्चा, प्रदेश अध्यक्ष ने दिया संगठनात्मक एकजुटता का संदेश



केटी न्यूज/बक्सर

भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के बक्सर आगमन पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं वैष्णवी ग्रुप के चेयरमैन प्रदीप राय के आवास पर उनका आत्मीयता और गर्मजोशी के साथ स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी पूरे उत्साह और जोश के साथ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं विश्वास व्यक्त किया। स्वागत के इस अवसर पर संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी सांगठनिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने संगठन की मजबूती में कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं की सक्रियता, आपसी समन्वय और संगठन के प्रति निष्ठा से ही पार्टी निरंतर मजबूत होती है। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने तथा जनसंपर्क के माध्यम से आम लोगों तक पार्टी की नीतियों और विचारों को पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठनात्मक जिम्मेदारियों का पूरी प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करने का संदेश दिया।

वहीं, भाजपा नेता एवं वैष्णवी ग्रुप के चेयरमैन प्रदीप राय ने प्रदेश अध्यक्ष के आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संजय सरावगी का कुशल नेतृत्व, संगठन के प्रति समर्पण और कार्यकताओं को दिया जाने वाला मार्गदर्शन पार्टी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके नेतृत्व से कार्यकताओं में नई ऊर्जा, उत्साह और संगठन के प्रति जिम्मेदारी का भाव मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकताओं के परिश्रम, समर्पण और सामूहिक प्रयासों के बल पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रदीप राय ने आगे कहा कि संगठन की शक्ति, कार्यकताओं का समर्पण और नेतृत्व का मार्गदर्शन ही पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी है। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में बिहार में भाजपा का संगठन और अधिक सशक्त होगा।

इस अवसर पर मौजूद पार्टी कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को कार्यकताओं ने संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए पार्टी को और मजबूत बनाने के संकल्प को दोहराया।

सीढ़ी गांव में बनेगा मध्य विद्यालय, दस एकड़ का पोखरा बनेगा पर्यटन स्थल

करगहर। ठोरसन ग्राम पंचायत के सीढ़ी गांव को शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में विकास की सौगात मिलेगी। गांव के प्राथमिक विद्यालय को उत्क्रमित कर मध्य विद्यालय बनाया जाएगा। वहीं, करीब 10 एकड़ में फैले प्राचीन पोखरे का जीर्णोद्धार कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। मंगलवार को विकास शिविर के उद्घाटन के बाद डीएम दीपक कुमार मिश्रा ने इसकी घोषणा की। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी मदन राय को विद्यालय उत्क्रमण की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। पोखरे के चारों ओर छठ घाट, फुटपाथ और आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था होगी। साथ ही पौधरोपण कर परिसर को सुंदर बनाया जाएगा। इस योजना को लेकर डीएम ने डीडीसी आकांक्षा आनंद को आवश्यक निर्देश दिए। डीएम ने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और पेंशन लाभार्थियों से समय पर केवाईसी कराने की अपील की। उन्होंने साइबर ठगी से सतर्क रहने की भी सलाह दी। मौके पर जेल अधीक्षक सुजीत कुमार राय, सीओ पंकज कुमार, बीडीओ, बीईओ सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

एटीएम काटकर कैश चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश



सासाराम। रोहतास पुलिस ने एटीएम मशीन काटकर कैश चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए हरियाणा के मेवात से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल सफेद रंग की बोलेरो भी बरामद की है। पूछताछ में दोनों ने बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में भी एटीएम काटने की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। रोहतास पुलिस की ओर से तीन नवंबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कोचस और सासाराम नगर थाना क्षेत्रों में हुई एटीएम कटिंग की घटनाओं के अनुसंधान के दौरान पुलिस को यह सफलता मिली। कोचस थाना कांड संख्या 152/26 (14 जून 2026) और सासाराम नगर थाना कांड संख्या 744/26 के आलोक में 4 अक्टूबर 2026 की जांच में दोनों आरोपितों की संलिप्तता सामने आई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हरियाणा के नूंह (मेवात) जिले के नूंह सदर थाना क्षेत्र के वैसी गांव निवासी 35 वर्षीय मुकीम, पिता गफूर खां और सदर तावडू थाना क्षेत्र के पटुका साहसला गांव निवासी 32 वर्षीय मुनफेद, पिता हबीब के रूप में हुई है।

बक्सर की घटना में भी संलिप्तता स्वीकार : पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में एटीएम मशीन काटकर कैश चोरी करने की वारदात को भी अंजाम देने की बात स्वीकार की है। इससे गिरोह के दूसरे जिलों में सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अब इनके आपराधिक नेटवर्क और अन्य घटनाओं में संलिप्तता की पड़ताल कर रही है।

वारदात में इस्तेमाल बोलेरो जब्त : पुलिस ने घटनाओं में प्रयुक्त सफेद रंग की बोलेरो बरामद की है। पुलिस विज्ञप्ति में वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के दो अलग-अलग विवरण दर्ज होने के कारण उसका नंबर स्पष्ट नहीं किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और एटीएम चोरी की दूसरी वारदातों से जुड़े सुराग जुटाने में लगी है।

गृहभेदन कांड में सात आरोपित गिरफ्तार, चोरी के सामान बरामद

सासाराम। रोहतास पुलिस ने गृहभेदन कर चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपित सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने इनके पास से दो गैस सिलेंडर, चूल्हा, 21 स्टील की थालियां, कुकर, मिक्सी, पंखा, 25 किलो चावल समेत बड़ी मात्रा में घरेलू सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, रोहतास थाना कांड संख्या 305/26 के तहत एक नवंबर को दर्ज मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में गोविंद कुमार, नौशाद अली,अभिषेक कुमार, गुड्डू कुमार, सनोज कुमार और जयराम सिंह शामिल हैं। पुलिस सभी के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

भोजपुर में 19 हजार से अधिक कारतूस तस्करी मामले में मुजफ्फरपुर का दंपती गिरफ्तार, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस



एजेंसी। भोजपुर

हथियार और कारतूस तस्करी के नेटवर्क का खुलासा करने में जुटी कोईलवर पुलिस को एक और सफलता मिली है. 19,250 कारतूस और लोडेड पिस्टल के साथ गिरफ्तार तीन अंतरराज्यीय तस्करों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मुजफ्फरपुर निवासी आसिफ अंसारी और उसकी पत्नी साजिदा खातून को गिरफ्तार किया है. दोनों पर हथियार और कारतूस तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने का संदेह है. पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है.कोईलवर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार मंडल ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों के बयान और उनसे मिली जानकारी के आधार पर मुजफ्फरपुर के दंपती को पकड़ा गया है. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नेटवर्क में उनकी क्या भूमिका थी और कारतूस की खेप की खरीद-बिक्री में कौन-कौन लोग शामिल हैं. गौरतलब है कि सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ पटना और कोईलवर पुलिस की संयुक्त टीम ने मनभावन चौक के पास छापेमारी कर एक चारपहिया वाहन से तीन अंतरराज्यीय हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया था. गिरफ्तार आरोपितों में मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र निवासी लालटू कुमार, पिता रामदेव चौधरी, सरस कुमार, पिता स्वर्गीय मधुरेंद्र कुमार और सीवान जिले के तरवारा थाना क्षेत्र के माधोपुर निवासी चंदन तिवारी, पिता नंदकिशोर तिवारी शामिल हैं. तलाशी के दौरान पुलिस ने विभिन्न बोर के कुल 19,250 कारतूस, एक लोडेड पिस्टल, एक चारपहिया वाहन और पांच मोबाइल फोन बरामद किये थे. पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार तीनों आरोपित अंतरराज्यीय आर्म्स तस्कर हैं और उनका आपराधिक इतिहास भी रहा है. प्रारंभिक जांच और पूछताछ में सामने आया है कि कारतूस की बड़ी खेप उत्तर प्रदेश से बिहार लायी जा रही थी. इसकी सप्लाई मुजफ्फरपुर समेत उत्तर बिहार के कई जिलों में अपराधियों और आपराधिक गिरोहों तक की जानी थी. पुलिस खेप के वास्तविक स्रोत, सप्लाई चेन और इस धंधे में सक्रिय अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है. पांच मोबाइल फोन की जांच और गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर पुलिस तस्करी के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज खंगाल रही है. दंपती की गिरफ्तारी को इसी जांच की एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है. पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी और हथियार व कारतूस की बरामदगी के लिए छापेमारी जारी है.

विवाहिता हत्याकांड में पुलिस का शिकंजा, चार फरार आरोपितों के घर चस्पा हुआ इश्तिहार

- चार साल पुराने मामले में अब तेज हुई कानूनी कार्रवाई, न्यायालय में हाजिर नहीं होने पर कुर्की की प्रक्रिया की बढ़ सकती है संभावना



केटी न्यूज/डुमरांव

बसगीतिया विवाहिता हत्याकांड में लंबे समय से फरार चल रहे चार नामजद आरोपितों पर अब पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। गिरफ्तारी से बचते आ रहे आरोपितों के खिलाफ न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने इश्तिहार की कार्रवाई की है। मंगलवार की शाम कोरान सराय थाना पुलिस की टीम ने सभी चार आरोपितों के घर पहुंचकर इश्तिहार चस्पा किया और उन्हें निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायालय में उपस्थित होने की चेतावनी दी।

पुलिस की इस कार्रवाई से मामले में फरार आरोपितों की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। इश्तिहार चस्पा किए जाने के बाद भी यदि आरोपित न्यायालय में उपस्थित नहीं होते हैं तो उनके खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है।

इस संबंध में कोरान सराय थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि थाना कांड संख्या 138/21 में वांछित चार आरोपितों के विरुद्ध न्यायालय से इश्तिहार प्राप्त हुआ था। इसके आलोक में पुलिस टीम ने बसगीतिया गांव स्थित उनके आवास पर इश्तिहार चस्पा किया है। आरोपितों को शीघ्र न्यायालय में उपस्थित होने की हिदायत दी गई है।

नामजद आरोपितों में राजू कुमार और कन्हैया सिंह, दोनों पिता मनोज सिंह, मनोज सिंह पिता पारस सिंह तथा सर्वजीत सिंह पिता कवल सिंह शामिल हैं। सभी बसगीतिया गांव के निवासी हैं।

गौरतलब है कि यह मामला विवाहिता की हत्या से जुड़ा है और वर्ष 2021 से पुलिस के लिए आरोपितों की गिरफ्तारी चुनौती बनी हुई है। अब न्यायालय के आदेश पर शुरू हुई इश्तिहार की कार्रवाई को फरार आरोपितों पर कानूनी दबाव बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

आरा स्पोर्टिंग क्लब का कब्जा, फाइनल में किंग ऑफ सेवन को 2-0 से हराया

केटी न्यूज/आरा



वीर कुंवर सिंह मैदान में आयोजित 7 साइड फुटबॉल टूनोमेंट 2026 आरा कप का फाइनल मुकाबला किंग ऑफ सेवन फुटबॉल क्लब और आरा स्पोर्टिंग क्लब के बीच खेला गया. रोमांचक मुकाबले में आरा स्पोर्टिंग क्लब ने 2-0 से जीत दर्ज की और टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया. पहले सेमीफाइनल में किंग ऑफ सेवन फुटबॉल क्लब और आरा ऐरो की टीमें आमने-सामने थीं. मुकाबले में आरा ऐरो की ओर से संचित कुमार ने पहला गोल किया. इसके बाद किंग ऑफ सेवन की ओर से मृत्युंजय कुमार, सनी कुमार और धीरज कुमार ने एक-एक गोल दागा. इस तरह किंग ऑफ सेवन ने 3-1 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई. पहले सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान किंग ऑफ सेवन फुटबॉल क्लब के सनी कुमार को पीला कार्ड दिखाया गया. वहीं, आरा ऐरो के राहुल को लाल कार्ड दिया गया. इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए किंग ऑफ सेवन के धीरज कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया. दूसरा सेमीफाइनल गोल्डन बेबी फुटबॉल अकादमी और आरा स्पोर्टिंग क्लब के बीच खेला गया. इसमें आरा स्पोर्टिंग क्लब ने 3-0 से जीत हासिल की. टीम की ओर से प्रद्युम्न कुमार, मंदीप कुमार और प्रकाश ने एक-एक गोल किया. इस जीत के साथ आरा स्पोर्टिंग क्लब ने फाइनल में प्रवेश किया. इस मुकाबले में प्रद्युम्न कुमार को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला. आयोजकों के अनुसार, रविवार को दो दिवसीय टूनामेंट की विधिवत शुरूआत हुई थी. प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया. फाइनल मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन के लिए आरा स्पोर्टिंग क्लब के पिंटू सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया. वहीं, बेस्ट स्कोरर का पुरस्कार मृत्युंजय सिंह को मिला. प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका विनीत कुमार, रंजन सिंह, सुनील यादव, नीतीन कुमार उर्फ नंद गोपाल सिंह और धर्मेश उपाध्याय ने निभाई. आयोजन को सफल बनाने में राजकुमार, भीम लाल, समीर श्रीवास्तव उर्फ कल्लू, विशाल सिंह, रविन्द्र सिंह, अशोक मानव, मक्कू लाल गुप्ता, रवि कुमार, मनोरंजन उपाध्याय, रौनक सिंह, धीरज पांडेय, विकास कुमार, शमशाद खान, महाराणा प्रताप सिंह, राहुल सिंह और श्याम सिंह सहित अन्य खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी जुटे रहे. कार्यक्रम के दौरान बिहार फुटबॉल संघ के अध्यक्ष जय बहादुर सिंह मौजूद रहे. इसके अलावा पूर्व और वरिष्ठ खिलाड़ियों में शिवजी सिंह, जय कुमार सिंह, पवन कुमार, बीएन सिंह, जीतू चंद्रवंशी, अशोक शर्मा, कमल सिंह, बबलू प्रसाद, किशोर गुप्ता, भूरा सिंह, दारा सिंह, टंटू सिंह, राजकुमार सिंह, गुड्डू सिंह, अनिल तिवारी, बूटन यादव, लाल बहादुर लाल, राजकिशोर सिंह, मनीष कुमार और अजय कुमार यादव को सम्मानित किया गया।

भोजपुर डीएम ने सुनीं 25 से अधिक लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को सौंपे मामले

केटी न्यूज/आरा



भोजपुर जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा की अध्यक्षता में ईज ऑफ लिविंग के तहत जिला जनता दरबार का आयोजन किया गया. इसमें 25 से अधिक आवेदकों ने अपनी समस्याएं रखीं. विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों ने अलग-अलग विभागों से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए आवेदन प्रस्तुत किए. जनता दरबार में मुख्य रूप से राजस्व एवं भूमि सुधार, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग और खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग से संबंधित मामले सामने आए. जिलाधिकारी ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को मामलों की जांच करने का निर्देश दिया. डीएम ने अधिकारियों से प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा. साथ ही लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया, ताकि शिकायतों के समाधान में अनावश्यक देरी नहीं हो. जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है. उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ शिकायतों पर कार्रवाई करने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा।

एक नजर

हरिगांव में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भव्य शुभारंभ, एक किलोमीटर लंबी निकली कलश शोभायात्रा

जगदीशपुर। जगदीशपुर प्रखंड क्षेत्र के हरिगांव में आयोजित सात दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शुभारंभ आज मंगलवार को भव्य जलभरी कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। इस दौरान पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। गाजे-बाजे, हाथी, घोड़े और ऊंट के साथ निकली करीब एक किलोमीटर लंबी शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा और आस्था के साथ भाग लिया। कलश शोभायात्रा निकालने से पूर्व यज्ञ मंडप के समीप वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद श्रद्धालु हाथों में धर्म ध्वजा लेकर जय श्रीराम और भगवान श्रीलक्ष्मी नारायण के जयकारे लगाते हुए लगभग छह किलोमीटर दूर असनी नदी के तट पर पहुंचे। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में पवित्र जल भरा गया। इसके बाद श्रद्धालु पुनः उसी मार्ग से होते हुए यज्ञ मंडप पहुंचे, जहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार कलश स्थापित किया गया। शोभायात्रा के दौरान डीजे की भक्तिमय धुन पर युवाओं की टोली उत्साह के साथ झूमती नजर आई। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया। महायज्ञ को लेकर पूरे गांव में उत्सव और भक्ति का माहौल बना हुआ है। यज्ञ परिसर के समीप श्रद्धालुओं और ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए मेले का भी आयोजन किया गया है। वही रवि यादव के द्वारा लोगों को सम्मानित गमछी देकर की गई। कोई पंचायत की मुखिया विजय शंकर चौबे उर्फ टुना चौबे ने बताया कि सा दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। संध्या पहाड़ रामलीला और रासलीला का आयोजन कमेटी द्वारा की जाएगी। वहीं असनी बनास नदी पर आचार्य विमलेश पांडेय जी भी उपस्थित होकर ब्राह्मणों में शामिल होकर मंत्र उच्चारण करते नजर आए' इस दौरान पूर्व जिला परिषद सुरेश पहलवान ,बरनाव पंचायत के मुखिया पति मुकेश पाल, बिमवां पंचायत के मुखिया पति सुरेश सिंह, पश्चिमी आयर के मुखिया उमेश कुशवाहा, भावी जिला पार्षद प्रत्याशी रवि यादव अमित कुशवाहा पवन कुमार सिंह, सहित अन्य लोग शामिल हुए।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

दिनारा। आरा-मोहनियां राष्ट्रीय राजमार्ग पर चितांव पुल के समीप 27 अक्टूबर को अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल राजेश कुमार (41) की इलाज के दौरान वाराणसी में दो नवंबर की रात मौत हो गई। वह अकोढ़ा पंचायत के साधवां टोला निवासी बद्री सिंह के पुत्र थे। परिजनों के अनुसार, राजेश दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें कोचस सीएचसी ले जाया गया, जहां से वाराणसी रेफर कर दिया गया। कई दिनों तक इलाज के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। मृतक राजेश अपने पीछे दो बेटियां और दो बेटे छोड़ गए हैं। उनकी मौत से परिवार में मातम पसरा है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया गया है।

कच्छवां में मिठाई दुकानों पर छापेमारी, संदिग्ध मिठाइयां नष्ट



बिक्रमगंज। दीपावली और छठ पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने कच्छवां बाजार में पांच मिठाई दुकानों पर छापेमारी की। जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में कई किलो संदिग्ध मिठाइयां नष्ट कराई गईं। जांच में कुछ मिठाइयों पर चांदी के वर्क के नाम पर प्लास्टिक जैसी संदिग्ध परत लगाए जाने का मामला सामने आया। किसी भी दुकान में वैध खाद्य लाइसेंस नहीं मिला। एक दुकानदार का लाइसेंस भी जांच में फर्जी पाया गया। टीम ने पांच प्रकार की मिठाइयों और हल्दी के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। दुकानदारों को निर्धारित दर पर मिठाई बेचने और गुणवत्ता बनाए रखने की हिदायत दी गई। छापेमारी खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी रोशन कुमार सिंह, अंचलाधिकारी अंचला कुमारी और थानाध्यक्ष मनीष कुमार के नेतृत्व में की गई। अधिकारियों ने मिलावटखोरी और अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार,भेजा गया जेल

दिनारा। दिनारा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए 200 एमएल के 10 पाउच पावर हाउस मसाला शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान उसरांव गांव निवासी स्व. नथुनी साह के पुत्र बबन साह के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

खेत में सब्जी तोड़ने गई महिला की करंट से मौत

दिनारा। नटवार थाना क्षेत्र के जमोढ़ी गांव में सोमवार शाम खेत में सब्जी तोड़ने गई 45 वर्षीय निरतना देवी की बिजली करंट लगने से मौत हो गई। वह राजवंश पासवान की पत्नी थीं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों के अनुसार, खेत में मौजूद बिजली के तार की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया। थानाध्यक्ष रंजय कुमार ने बताया कि परिजनों की ओर से अब तक लिखित आवेदन नहीं मिला है। मृतका अपने पीछे तीन पुत्र और दो पुत्रियों को छोड़ गई हैं। उनके पति दूसरे प्रदेश में निजी नौकरी करते हैं।

एक नजर

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के आगमन को लेकर भाजपा की प्रेस कॉन्फ्रेंस, हजारों कार्यकर्ता पदयात्रा में होंगे शामिल

सहरसा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के सहरसा आगमन एवं प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आज रेनबो रिसोर्ट, जिला परिषद परिसर में भाजपा की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व विधायक डॉ. आलोक रंजन, भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा, पूर्व विधायक सुरेंद्र यादव, प्रदेश मंत्री दिवाकर सिंह, जिला प्रभारी सुनील कुमार सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रेस को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक डॉ. आलोक रंजन ने बताया कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10 बजे तक जिला अतिथि गृह पहुंचेंगे। इसके बाद जिला परिषद परिसर में आयोजित सभा को संबोधित करेंगे। सभा के उपरांत सुबह 11 बजे जिला परिषद परिसर से पदयात्रा निकाली जाएगी। यह पदयात्रा डीबी रोड, शंकर चौक और सब्जी मार्केट होते हुए शहीद चौक पहुंचेगी, जहां शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। डॉ. आलोक रंजन ने कहा कि विपक्षी दल देश में अराजकता का माहौल पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन भाजपा के कार्यकर्ता उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि भीड़तंत्र का जवाब लोकतंत्र के माध्यम से दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पदयात्रा में पूरे जिले से हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल होंगे। जिले की सभी पंचायतों से बूथ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष एवं सक्रिय कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला महामंत्री शिव भूषण सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन साह, विजय बसंत, जिला महामंत्री भैरवानंद झा, सिद्धार्थ सिंह सिद्धू, जिला मीडिया प्रभारी सुमित सिन्हा एवं किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे।

नशामुक्ति अभियान 2026 के तीसरे दिन सहरसा जिले के महिषी प्रखंड में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सहरसा। नशामुक्ति अभियान 2026 के दूसरे दिन सहरसा जिले के, महिषी प्रखंड में जीविका के संकुल स्तरीय संघों के माध्यम से नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर महिषी प्रखंड के भारती मंडन संकुल स्तरीय संघ, माँ उग्रतारा संकुल स्तरीय संघ, और कमला कोशी संकुल स्तरीय संघ में कार्यक्रम आयोजित किए गए।कार्यक्रम का आयोजन जीविका, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग तथा प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।कार्यक्रम में जीविका कर्मियों- आलोक मिश्रा, सुधा दास प्रबंधक व आशीष ठाकुर बीपीएम एवं अन्य तथा प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि सुबोध जी ने सहभागिता की।कार्यक्रम के दौरान नशे के दुष्प्रभावों एवं नशामुक्त जीवन के लाभों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने बताया कि नशामुक्ति से व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, परिवार की आर्थिक स्थिति में मजबूती तथा घरेलू हिंसा एवं पारिवारिक तनाव में कमी लाने में मदद मिलती है। साथ ही, नशामुक्त समाज बच्चों के बेहतर भविष्य, महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।जीविका दीदियों के माध्यम से ग्रामीण समुदाय में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने तथा परिवारों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जन-जागरूकता बढ़ाकर नशामुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त समाज का निर्माण करना है।

कैलाशपति मिश्र का जीवन संगठन और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहा : संजय सरावगी

एजेंसी/पटना

बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मंगलवार को बक्सर जिले के बड़का ढाकाइच गांव में भाजपा के वरिष्ठ नेता, जनसंघ एवं भाजपा के संस्थापक सदस्य और बिहार के पूर्व मंत्री कैलाशपति मिश्र की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। उन्होंने कैलाशपति मिश्र को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया। सरावगी ने कहा कि कैलाशपति मिश्र का पूरा जीवन संगठन और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित रहा।



वे ऐसे व्यक्तित्व थे, जिन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और उसे गांव-गांव तक पहुंचाने में अपना सर्वस्व लगा दिया। उन्होंने असंख्य कार्यकताओं को तैयार किया और संगठन को वटवृक्ष के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बक्सर की धरती महर्षि विश्वामित्र, भगवान राम और लक्ष्मण की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा तथा स्वामी सहजानंद सरस्वती की कर्मभूमि रही है। इसी धरती पर कैलाशपति मिश्र अपने ननिहाल आया करते थे। बड़का ढाकाइच की मिट्टी को नमन करते हुए सरावगी ने कहा कि कैलाशपति मिश्र 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रहे और जनसंघ तथा भाजपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। उन्होंने बिहार सरकार में वित्त मंत्री और राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कैलाशपति मिश्र का मानना था कि सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द ही राष्ट्र की मजबूती का आधार है। उनका विचार था कि गरीबी किसी जाति को देखकर नहीं आती और आर्थिक रूप से कमजोर प्रत्येक व्यक्ति को न्याय तथा समान अवसर मिलना चाहिए। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू किया गया। सरावगी ने दावा किया कि इस आरक्षण के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के हजारों बच्चों को सरकारी मेडिकल कॉलेजों, तकनीकी संस्थानों और अन्य शिक्षण संस्थानों में प्रवेश का अवसर मिला है। उन्होंने एक महिला का उदाहरण देते हुए कहा कि उसके दोनों बच्चों का सरकारी मेडिकल कॉलेज में दाखिला ईडब्ल्यूएस आरक्षण के कारण संभव हुआ। सरावगी ने बताया कि बिहार सरकार ने कैलाशपति मिश्र की जयंती को राजकीय समारोह के रूप में मनाने की घोषणा की है। मंत्रिमंडल ने इस निर्णय को स्वीकृति दे दी है और अक्टूबर 2027 से उनकी जयंती राजकीय सम्मान के साथ मनाई जाएगी। कैलाशपति मिश्र स्मृति परिषद की मांगों पर उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा कराने के लिए प्रयास करेंगे। इनमें कैलाशपति मिश्र की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग भी शामिल है। संजय सरावगी ने कहा कि कैलाशपति मिश्र ने भारत माता को विश्व के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाने का संकल्प लिया था।

क्राइम हो सकता है, लेकिन अपराध और अपराधी का कॉन्सेप्ट खत्म, दिल्ली में बोले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

एजेंसी/पटना

बिहार में अब नदियों से निकाली जाने वाली गाद (सिल्ट) का इस्तेमाल राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में बिहार सरकार और केंद्र सरकार के बीच समझौता हुआ है। मंगलवार को नई दिल्ली में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में इस योजना को लेकर समझौता ज्ञापन (टङ्कव) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत बिहार की 27 सड़क परियोजनाओं में करीब 835 लाख घन मीटर गाद के इस्तेमाल का प्रस्ताव है। वहीं, फिलहाल निमार्णाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए 243 लाख



घन मीटर गाद मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। आपने बिहार की कमजोरी के साथ समझौता किया है, जिसको आप ताकत बनाना चाहते हैं। उन्होंने इस समझौता के लिए नितिन गडकरी का आभार जताया और कहा कि बिहार की दो कमजोरी है। बिहार के लोग अपने पानी से तबाह नहीं है बल्कि दूसरों के पानी से तबाह हैं। सीएम ने कहा कि बिहार में सात बड़ी नदियां नेपाल से आती हैं। बिहार में बारिश हो या नहीं हो लेकिन अगर नेपाल में बारिश हो गई तो बिहार तबाह होता है। बिहार में 32 प्रतिशत से कम बारिश हुई लेकिन वहां तीन बड़ी नदियों में एचएफएल बदल गया। गंगा में पिछले दो सौ सालों का हाइएस्ट फ्लड लेबल बदल गया। सोन नदी और गंडक नदी का एचएफएल बदल गया। तीन बड़ी नदियों का एचएफएल बदलना, प्रतीक है कि नदियों में गाद जमा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नेपाल में दो बार आपदा आई। नेपाल के पानी के साथ गंडक नदी में गाद बहुत आया। उसी समय गंगा में भी बिहार यूपी और मध्य प्रदेश से 17 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हो रहा था। जिससे मास्टर ड्रेन ब्लॉक हो गया। साढ़े पांच लाख क्यूसेक पानी रिवर्स हो गया। जब पानी रिवर्स होता है तो बांध टूटना शुरू हो जाता है। इस दौरान उन्होंने नेपाल से आने वाली विनाशकारी बाढ़ के सभी पहलूओं को विस्तार से रखा। उन्होंने बताया कि आबादी और पानी बिहार की दो कमजोरी है। इस दौरान अपराध पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यहां कोई अपराध नहीं है। अपराध का कॉन्सेप्ट ही खत्म हो गया है। क्राइम हो सकते हैं लेकिन अपराध नहीं है, कोई अपराधी नहीं है। बिहार के लिए सबसे बड़ी दूसरी चुनौती पानी का प्रबंधन है। मैं आस्वस्त करता हूं कि इस नदी संजीवनी समझौता के बाद बिहार आर्थिक रूप से खड़ा होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार में चलाए जा रहे तमाम तरह के विकास कार्यों की विस्तृत से जानकारी दी।

गुड्डू मुखिया हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता निकला सरकारी शिक्षक, एसटीएफ ने सहरसा से किया गिरफ्तार

- बच्चों को पढ़ाने वाला शिक्षक ही रच रहा था हत्या की साजिश, एसटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मिली बड़ी सफलता

केटी न्यूज/सहरसा

सहरसा जिले के बहुचर्चित जावेद इकबाल उर्फ गुड्डू मुखिया हत्याकांड में पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को बड़ी कामयाबी मिली है। हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता कोई पेशेवर अपराधी नहीं, बल्कि एक सरकारी शिक्षक निकला। एसटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने सहरसा जिले में घेराबंदी कर सौर बाजार थाना क्षेत्र के चिकनी गांव निवासी शिक्षक मो. शहंशाह को गिरफ्तार कर लिया है। सिमरी बख्तियारपुर के एसडीपीओ निशीकांत भारती ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि गुड्डू मुखिया हत्याकांड में मो. शहंशाह मुख्य साजिशकर्ता और



सूत्रधार रहा है। उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए महत्वपूर्ण सफलता है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार मो. शहंशाह सिमरी बख्तियारपुर नगर परिषद क्षेत्र के बलुआहा पार स्थित प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत है। बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षक पर चर्चित हत्याकांड की साजिश रचने का आरोप सामने आने से इलाके में चर्चा तेज हो गई है। पुलिसिया जांच में उसकी हत्या की साजिश में प्रमुख भूमिका सामने आई है। अब तक चार आरोपी गिरफ्तार एसडीपीओ ने बताया कि इस हत्याकांड में अब तक कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें मो. शहंशाह सहित तीन प्राथमिकी अभियुक्त हैं, जबकि एक अप्राथमिकी अभियुक्त शामिल है। वहीं, एक अन्य प्राथमिकी अभियुक्त के नाबालिग होने के कारण उसे निरुद्ध किया गया था। फिलहाल गिरफ्तार शिक्षक से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हत्याकांड की साजिश में और कौन-कौन लोग शामिल थे तथा वारदात को अंजाम देने में किन लोगों ने सहयोग किया था। एसडीपीओ निशीकांत भारती ने कहा कि गुड्डू मुखिया हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता मो. शहंशाह को एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। उससे आवश्यक पूछताछ की जा रही है। इस मामले में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

मधुबनी में एएसआई की फायरिंग में महिला समेत दो लोगों की मौत, दो ग्रामीण गंभीर

एजेंसी/पटना

बिहार में मधुबनी जिले के बाबूबरही थाना क्षेत्र के बलिराजगढ़ गांव में सोमवार देर रात एक घर में घुसे सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) ने पकड़े जाने के डर से अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना में एक महिला समेत दो ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने आरोपी एएसआई की गिरफ्तारी के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया है। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। गोलीबारी में जान गंवाने वालों की पहचान अशोक यादव (45) और फूलो देवी (40) के रूप में हुई है। फूलो देवी के पेट में गोली लगी थी। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। वहीं, अशोक यादव को सीने और जांघ में गोली



लगी थी। इसके अलावा विजेंद्र यादव (45) के गले और धनिकलाल यादव के पैर में गोली लगी है। दोनों घायलों का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) योगेंद्र कुमार गांव पहुंचे। उन्होंने बताया कि रात करीब एक बजे पुलिस को बलिराजगढ़ गांव में गोलीबारी की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपित एएसआई पुलिस पिकेट में तैनात था और उसका गांव की एक महिला से कथित अवैध संबंध था। इसी वजह से उसका गांव में आना-जाना था। एसपी के मुताबिक, सोमवार देर रात भी आरोपित गांव पहुंचा था। इस दौरान स्थानीय लोगों ने उसे देख लिया और घर के अंदर बंद कर दिया। खुद को लोगों से घिरा देखकर आरोपित ने कमरे के अंदर से तीन से चार राउंड फायरिंग कर दी। गोलीबारी में चार लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने अशोक यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं, फूलो देवी की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया था, लेकिन रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपित एएसआई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उसे सेवा से बर्खास्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की पांच टीमें गठित की गई हैं। पुलिस आरोपित की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एसपी ने घोषणा की है कि आरोपित एएसआई के बारे में विश्वसनीय सूचना देने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क है।

कोसी मीडिया कॉन्क्लेव 2026: सहरसा नाउ ने रचा इतिहास, उत्तर बिहार में पहली बार आयोजित हुआ कॉन्क्लेव

केटी न्यूज/सहरसा

प्रमंडलीय मुख्यालय सहरसा में चल रहे सहरसा नाउ न्यूज चैनल ने अपने दूसरे वर्षगांठ पर शहर के मैरिज गार्डन में 'कोसी मीडिया कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन किया. किसी मीडिया संस्थान द्वारा उत्तर बिहार में पहली बार आयोजित हुआ यह कार्यक्रम कई मायने में सफल रहा. कॉन्क्लेव का उदघाटन क्षेत्रीय सांसद दिनेश चंद्र यादव, डीडीसी गौरव कुमार, डॉ कल्याणी सिंह, डॉ अशोक कुमार सिंह, डॉ केसी झा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. कॉन्क्लेव की शुरूआत शंकर बिहारी के गणेश वंदना से शुरू हुई. कॉन्क्लेव के प्रथम सत्र में सांसद दिनेश चंद्र यादव ने प्रधान संपादक प्रेम शंकर सिंह के सवालों का सामना किया. सांसद ने अपने अलग-अलग कार्यकालों में क्षेत्र की स्थिति और उनके द्वारा किए



गए कार्यों का उल्लेख किया. साथ ही सांसद ने यह भी बताया कि उनके लोकसभा क्षेत्र में लोगों की जरुरत पर उनकी नजर है और वे उसे पूरा करने का भरसक प्रयास कर रहे हैं. सांसद ने कहा कि कोसी कि बाढ़ से मुक्ति के लिए प्रधानमंत्री स्तर से डैम बनाने की दिशा में बातें हो रही है. सांसद ने बिहार में सूखे नशे के बढ़ते प्रचलन और युवाओं के इस गिरफ्त में जाने की बात को स्वीकार करते कहा कि यही स्थिति रही तो युवाओं की एक पीढ़ी समय से पूर्व समाप्त हो जायेगी. उन्होंने कहा कि अपराध में बेतहाशा वृद्धि का भी कारण सूखा नशा ही है. दूसरे सत्र के पैनल में डॉ कल्याणी सिंह, डॉ गोपाल शरण सिंह, डॉ, अशोक कुमार सिंह एवं डॉ केसी झा ने वरिष्ठ राजनीतिक संपादक आरती सिंह के सवालों का सामना किया. डॉ कल्याणी सिंह ने कोसी क्षेत्र की महिलाओं में अधिक बीमारी का कारण जागरूकता की कमी और अंधविश्वास बताया. उन्होंने अपने लॉर्ड बुद्धा कोसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में कैंसर हॉस्पिटल की शुरूआत करने की बात कहते सांसद से सरकारी स्वीकृति दिलाने में सहयोग की मांग की. डॉ गोपाल शरण सिंह ने कैंसर के बढ़ते प्रकोप से बचने के लिए सहरसा में कैंसर अस्पताल और ट्रामा सेंटर की अतिआवश्यकता बताया. रिटायर्ड सिविल सर्जन डॉ अशोक सिंह ने बताया कि सरकार लोगों को बीमार होने से बचने के लिए समय-समय पर टीका अभियान शुरू करती है, एडवाइजरी जारी करती है. लोगों को उसका पालन करना चाहिए. डॉ केसी झा ने कहा कि लोगों को स्वस्थ रहना है तो समय पालन करना होगा. उन्होंने मेडिकल के छात्रों के लिए लिखी अपनी पुस्तक के बारे में भी बताया. डॉ परितोष अमर ने कहा कि कोसी में लोग नहीं, लोगों की मानसिकता बीमार है. खान-पान और रहन-सहन ठीक करने की जरुरत है. डॉ शिलेन्द्र कुमार ने कहा कि उन्होंने अपने प्रयास से कोसी क्षेत्र के लोगों को आंखों की छोटी-छोटी परेशानी के लिए नेपाल के लहान, धरान या विराटनगर जाने से मुक्ति दिलायी है. शिक्षा सत्र में रिटायर्ड प्राचार्या डॉ रेणु सिंह ने कहा कि कोसी के इलाके में शिक्षा का प्रतिशत मात्र 52 से 53 प्रतिशत है, जो राज्य और देश की तुलना में काफी कम तो है ही. यह स्तर बगल के जिले सुपौल और मधेपुरा से भी नीचे है. निजी विद्यालय के संचालक मुकेश कुमार सिंह, समीर मिश्रा, चंदन कुमार एवं जफर पयामी ने कहा कि यहां के लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक होने की जरुरत है।

गया में 7 हजार रुपये घूस लेते दो सरकारी अमीन गिरफ्तार, निगरानी ने दोनों को रंगे हाथ दबोचा

एजेंसी। गया

गया में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने सदर अंचल में तैनात दो सरकारी अमीन को 7 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिषेक कुमार और दीपू कुमार के रूप में हुई है। दोनों को गया एपीआर के पास से पकड़ा गया। निगरानी विभाग के डीएसपी वसीम अहमद ने बताया कि शिकायतकर्ता रोहित कुमार ने विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि सदर अंचल में कार्यरत दोनों अमीन किसी काम के बदले उनसे 7 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग की टीम ने पहले मामले का सत्यापन कराया। जांच के दौरान रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम ने जाल



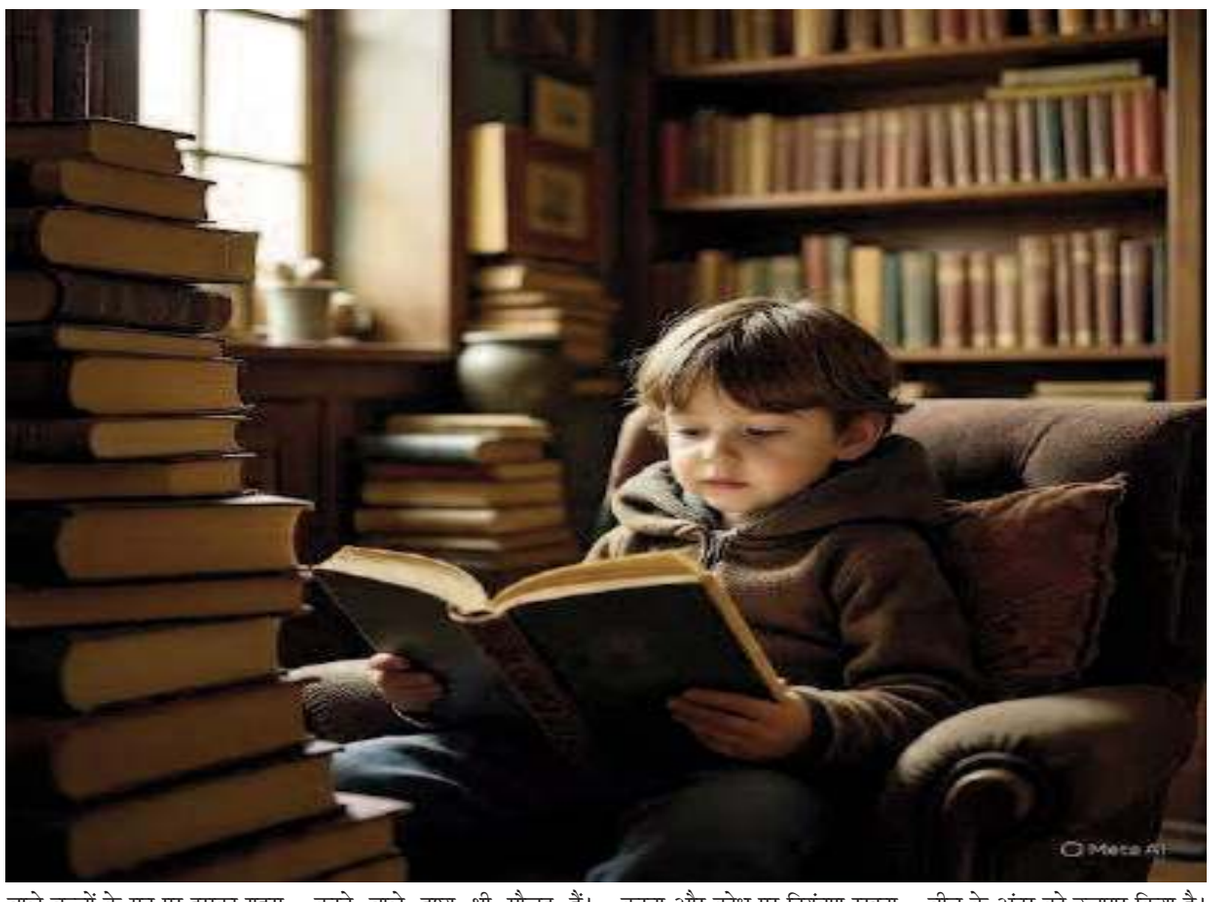
बिछाया। योजनाबद्ध तरीके से की गई कार्रवाई के दौरान जैसे ही दोनों अमीन ने शिकायतकर्ता से 7 हजार रुपये लिए, पहले से घात लगाए निगरानी विभाग के अधिकारियों ने उन्हें मौके पर ही रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद निगरानी विभाग आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गया है। इस कार्रवाई से सरकारी विभागों में रिश्वतखोरी करने वालों के बीच हड़कंप मच गया है।

किताबों और खिलौनों की उम्र में हिंसा का पाठ क्यों पढ़ रहे हैं बच्चे?



एजेंसी। नई दिल्ली

बचपन को मासूमियत, निश्छलता, संवेदनशीलता और खिलखिलाती मुस्कान का पर्याय माना जाता है। बच्चों के हाथों में खिलौने अच्छे लगते हैं, पत्थर और ईंटें नहीं, उनकी आंखों में सपने अच्छे लगते हैं, किसी के प्रति नफरत और हिंसा नहीं। लेकिन जब 8-10 वर्ष की उम्र के बच्चे भी किसी दूसरे मासूम की जान लेने पर उतारू हो जाएं, तब सवाल केवल एक बच्चे के असामान्य व्यवहार का नहीं रह जाता बल्कि पूरे सामाजिक परिवेश, पारिवारिक संस्कारों, शिक्षा व्यवस्था और हमारी बदलती जीवनशैली का हो जाता है। हरियाणा के पंचकूला में छह साल की विशेष आवश्यकता वाली बच्ची पर तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र द्वारा किया गया बर्बर हमला इसी भयावह वास्तविकता का आईना है। जब पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल में हुई इस हृदयविदारक घटना का वीडियो देखा तो मन बेहद विचलित हो उठा। आरोपी छात्र बच्ची को एक खाली कक्षा में ले गया, वहां उसके बाल पकड़कर घसीटा, बेंच पर सिर पटका, लातें मारी तथा ईंट, पत्थर और गमले से उसके सिर तथा चेहरे पर बार-बार प्रहार किए। करीब 96 सैकेंड तक चली इस हिंसा का दृश्य कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हुआ।सबसे विचलित करने वाली बात यह है कि हमला करने वाला कोई व्यस्क अपराधी नहीं बल्कि 8 वर्ष का बच्चा है। यह घटना जितनी पीड़ित बच्ची के लिए भयावह है, उतनी ही उस बच्चे के मानसिक और सामाजिक विकास को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करती है। आखिर इतनी छोटी उम्र में किसी बच्चे के भीतर इतनी आक्रामकता कहां से आती है? क्या उसने हिंसा को सामान्य व्यवहार मान लिया है? क्या वह किसी के दर्द और असहायता को महसूस करने की क्षमता खो रहा है? और सबसे बड़ा सवाल यह कि हमारे घरों, स्कूलों और समाज में ऐसा क्या बदल रहा है कि बचपन की भाषा में प्रेम और संवेदना की जगह हिंसा प्रवेश करती जा रही है? उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज में जिस तरह बच्ची के असहाय हो जाने के बाद भी हमला जारी रहने की बात सामने आई है, वह सामान्य बाल-सुलभ झगड़े से कहीं अधिक गंभीर है।इस घटना ने एक ऐसा प्रश्न हमारे सामने खड़ा किया है, जिससे मुंह मोड़ना अब संभव नहीं है कि आखिर बच्चों के मन में हिंसा के बीज कौन बो रहा है? बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार का कोई एक कारण नहीं होता। परिवार में हिंसा देखना, कठोर अथवा असंगत अनुशासन, भावनात्मक उपेक्षा, कमजोर अभिभावकीय निगरानी, साथियों का दबाव, सामाजिक अलगाव और व्यवहार पर नियंत्रण की कठिनाइयां इसके जोखिम को बढ़ा सकती हैं। सबसे पहले सवाल परिवारों से है। आज अनेक घरों में बच्चों को महंगे खिलौने, स्मार्टफोन, टैबलेट और मनोरंजन के तमाम साधन तो उपलब्ध करा दिए जाते हैं लेकिन उनके साथ बैठकर बातचीत करने, उनकी भावनाएं समझने और उनके व्यवहार को दिशा देने का समय लगातार कम होता जा रहा है। माता-पिता अपनी व्यस्तताओं में उलझे हैं और कई बार बच्चे अपनी भावनात्मक उलझनों के साथ अकेले रह जाते हैं। घर में माता-पिता के झगड़े, गाली-गलौज, मारपीट, अपमानजनक भाषा और छोटी-छोटी बातों पर हिंसक प्रतिक्रिया देखने



वाले बच्चों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। बच्चा वही सीखता है, जो अपने आसपास बार-बार देखता है। यदि घर में समस्या का समाधान संवाद से नहीं बल्कि चीखने, धमकाने और हाथ उठाने से होता है तो उसके लिए हिंसा धीरे-धीरे व्यवहार का स्वीकार्य तरीका बन सकती है। दूसरा बड़ा सवाल डिजिटल दुनिया का है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने बच्चों के सामने ज्ञान और मनोरंजन के असंख्य अवसर खोले हैं लेकिन इसी दुनिया में हिंसक वीडियो, मारधाड़ वाले खेल, अपमानजनक सामग्री और आक्रामक व्यवहार को महिमामंडित करने वाले दृश्य भी मौजूद हैं। समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब बच्चा बिना किसी निगरानी के घंटों ऐसी सामग्री देखता है और उसे यह समझाने वाला कोई नहीं होता कि पर्दे पर दिखाई जाने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में किसी के शरीर, मन और अस्तित्व को कितनी गहरी चोट पहुंचाती है। तीसरी चिंता बच्चों में संवेदनशीलता और सहानुभूति के विकास की है। आज हम बच्चों को प्रतियोगिता में आगे निकलना, जीतना और दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करना तो सिखा रहे हैं लेकिन हार स्वीकार करना, दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना, कमजोर की मदद करना और क्रोध पर नियंत्रण रखना कितना सिखा रहे हैं? क्या स्कूलों में नैतिक शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सिमट गई है? क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि किसी को चोट पहुंचाना बहादुरी नहीं, कमजोरी है? किसी दूसरे की पीड़ा देखकर मन में करुणा पैदा होना ही मानवीय संवेदना का आधार है। यदि यही संवेदना विकसित नहीं होगी तो शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियां भी सभ्य समाज की गारंटी नहीं बन सकतीं। यहां स्कूलों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पंचकूला की घटना ने सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी और वास्तविक निगरानी के बीच के अंतर को उजागर किया है। कैमरे लगे होना सुरक्षा नहीं है, उनकी सतत निगरानी, समय पर हस्तक्षेप और जवाबदेही ही सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। सवाल है कि एक छह साल की बच्ची स्कूल परिसर में एक अन्य छात्र के साथ ऐसी स्थिति में कैसे पहुंच गई, जहां उस पर लगातार हमला होता रहा और किसी शिक्षक या कर्मचारी को समय रहते इसकी जानकारी नहीं मिली? यदि स्कूल में शिक्षकों की कमी थी, एक शिक्षक को कई कक्षाओं की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही थी अथवा ड्यूटी व्यवस्था में कोई खामी थी तो यह भी जांच का विषय है। यह पहली घटना नहीं है, जब स्कूलों में बच्चों के बीच हिंसा ने पूरे देश को झकझोरा हो। वर्ष 2017 में गुरुग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल में सात वर्षीय प्रद्युम्न ठाकुर की हत्या, 2018 में दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में चाकूबाजी, 2019 में तमिलनाडु के कोडईकनाल में क्रिकेट विवाद के बाद छात्र की हत्या, 2021 में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में छात्र की चाकू मारकर हत्या, 2025 में अहमदाबाद में छात्र की हत्या और 2026 में सूरत में स्कूल परिसर में चाकूबाजी जैसी घटनाएं अलग-अलग समय पर सामने आ चुकी हैं। इन सभी मामलों की परिस्थितियां अलग हैं लेकिन एक बात समान है कि स्कूल, जिन्हें बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान होना चाहिए, वहां भी हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। अब समय आ गया है कि सरकार और शिक्षा विभाग स्कूलों की सुरक्षा को केवल औपचारिक निरीक्षण और कागजी दिशा-निर्देशों तक सीमित न रखें। प्रत्येक स्कूल में पर्याप्त शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए प्रशिक्षित सहयोगी कर्मचारी, संवेदनशील स्थानों पर सतत निगरानी और शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की व्यवस्था होनी चाहिए। प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और प्रशासन की जवाबदेही तय होनी चाहिए। अभिभावकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। बच्चों के व्यवहार में अचानक आक्रामकता, दूसरों को चोट पहुंचाने की प्रवृत्ति, क्रोध पर नियंत्रण न रहना, पश्चाताप का अभाव, जानवरों अथवा कमजोर बच्चों के प्रति क्रूरता जैसे संकेतों को सामान्य शरारत समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बच्चों को दंडित करने के बजाय उनकी भावनाओं को समझना, उन्हें अपनी बात कहने का अवसर देना और प्रेम के साथ स्पष्ट अनुशासन सिखाना जरूरी है। खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियां, सामूहिक सहभागिता और सामाजिक सेवा जैसी गतिविधियां भी उनमें सहयोग, धैर्य और सहानुभूति विकसित कर सकती हैं। पंचकूला की घटना हमें एक कठोर सच्चाई से रूबरू कराती है कि बच्चों का भविष्य केवल अच्छे स्कूल, महंगी शिक्षा, आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं से सुरक्षित नहीं हो सकता। उसके लिए अच्छे संस्कार, भावनात्मक सुरक्षा, मानवीय संवेदना और जिम्मेदार अभिभावक भी उतने ही आवश्यक हैं। जिस समाज में बच्चे दूसरों का दर्द महसूस करना भूलने लगें, वहां विकास के तमाम दावे खोखले साबित होने लगते हैं। आज सबसे बड़ा सवाल यह नहीं कि पंचकूला में एक 8 वर्षीय बच्चे ने 6 साल की बच्ची पर हमला क्यों किया बल्कि यह है कि हम ऐसी नौबत आने से पहले क्या कर रहे थे और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए क्या करेंगे? जिस उम्र में बच्चों को अक्षर ज्ञान, दोस्ती, खेल और मानवीय रिश्तों का अर्थ समझना चाहिए, उस उम्र में यदि उनके हाथों में ईंट और पत्थर दिखाई देने लगें तो यह केवल एक परिवार या स्कूल की विफलता नहीं बल्कि हमारी सामूहिक सामाजिक चेतना की पराजय है। हमें तय करना होगा कि बच्चों को केवल प्रतियोगिता में जीतना सिखाना है या इंसानियत के साथ जीना भी क्योंकि बचपन यदि हिंसक हो गया तो भविष्य सभ्य कैसे होगा? और यदि स्कूलों में बच्चे सुरक्षित नहीं तो फिर उनके सुरक्षित भविष्य की गारंटी कौन देगा?

बेटियों के विवाह में आर्थिक तंगी नहीं बनेगी बाधा यूपी में नौ वर्षों में 5.88 लाख जोड़ों की हुई शादी



♦ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनाऱ पर योगी सरकार ने खर्च किए 3,471 करोड़ रुपये से अधिक-27 अक्टूबर तक 5,88,693 जोड़ों का विवाह संपन्न, चालू वित्त वर्ष के लिए 72,540 का लक्ष्य-योजनाधिकारी आरपी सिंह बोले- जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक सहारा बनी योजना

एजेंसी। लखनऊ

गरीब परिवारों की बेटियों का विवाह अब आर्थिक मजबूरी के कारण टलने न पाए, इस उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का दायरा लगातार बढ़ाया जा है। पिछले नौ वर्षों में इस योजना के माध्यम से प्रदेश के 5,88,693 जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। समाज कल्याण विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2017 से 27 अक्टूबर 2026 तक इन आयोजनों पर राज्य सरकार 3,471.22 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर चुकी है। आंकड़े बताते हैं कि योजना ने बड़ी संख्या में ऐसे परिवारों को राहत पहुंचाई है, जिनके लिए बेटियों का विवाह आर्थिक रूप से बड़ी चुनौती होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल के तहत पात्र परिवारों को विवाह के अवसर पर आर्थिक सहायता के साथ जरूरी उपहार सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है। सामूहिक समारोहों में विभिन्न समुदायों के जोड़ों का विवाह और निकाह संपन्न कराया जाता है। सरकार की इस व्यवस्था का मकसद केवल आर्थिक मदद देना नहीं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सम्मान के साथ अपनी बेटियों का विवाह करने का अवसर उपलब्ध कराना भी है। समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक एवं योजनाधिकारी आरपी सिंह के मुताबिक, यह योजना निर्धन परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर माता-पिता को बेटियों के विवाह के लिए अतिरिक्त कर्ज लेने या अपनी जमा पूंजी खर्च करने की चिंता से काफी हद तक राहत मिलती है। चालू वित्तीय वर्ष में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 1,15,658 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 34,654 आवेदन जांच के बाद स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 11,540 आवेदन अपात्र पाए गए हैं। अन्य आवेदनों की पात्रता के आधार पर जांच की जा रही है। योजना के शुरूआती वर्षों से लेकर अब तक के आंकड़ों में इसके विस्तार की तस्वीर दिखाई देती है। वर्ष 2017-18 में 14,580 जोड़ों का विवाह कराया गया था। अगले दो वित्तीय वर्षों में यह संख्या बढ़कर क्रमशः 42,317 और 47,097 हो गई। वर्ष 2020-21 में कोरोना काल के दौरान 22,780 विवाह हुए। इसके बाद 2021-22 में 49,644 जोड़ों ने योजना का लाभ उठाया। वित्तीय वर्ष 2022-23 में पहली बार एक लाख से अधिक यानी 1,00,874 जोड़ों का विवाह कराया गया। वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 1,04,940 तक पहुंच गया। इसके बाद 2024-25 में 95,448 और 2025-26 में 76,522 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। चालू वित्तीय वर्ष में 27 अक्टूबर तक 34,491 जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। सरकार ने पूरे वर्ष के लिए 72,540 विवाह का लक्ष्य रखा है। योजना के तहत प्रत्येक पात्र जोड़े के विवाह पर कुल एक लाख रुपये की सहायता निर्धारित है। इसमें 64 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में गृहस्थी की शुरूआत के लिए भेजे जाते हैं। 21 हजार रुपये वैवाहिक उपहार सामग्री पर खर्च होते हैं, जबकि 15 हजार रुपये विवाह आयोजन की व्यवस्थाओं के लिए निर्धारित हैं। इस तरह सहायता राशि को सीधे लाभार्थी तक पहुंचाने के साथ नवदंपति को जरूरी घरेलू सामग्री भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विभाग ने सत्यापन की प्रक्रिया को तकनीक से जोड़ा है। आवेदकों की ई-केवाईसी कराई जाती है और ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से आय तथा जाति प्रमाणपत्रों की पुष्टि की जाती है। इसके बाद आधार आधारित भुगतान प्रणाली से निर्धारित धनराशि लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है। आवेदन की जांच और डिजिटल सत्यापन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सहायता का लाभ केवल निर्धारित पात्रता पूरी करने वाले परिवारों को ही मिले। जिलावार आंकड़ों में हरदोई में सबसे अधिक विवाह दर्ज किए गए हैं। यहां चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 1,385 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया है। सीतापुर 1,335 जोड़ों के साथ दूसरे स्थान पर है। पीलीभीत में 1,271 और आजमगढ़ में 1,242 जोड़ों का विवाह कराया गया है। करीब छह लाख जोड़ों के विवाह और 3,471 करोड़ रुपये से अधिक के सरकारी व्यय के साथ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रदेश की प्रमुख सामाजिक सहायता योजनाओं में शामिल हो गई है।

जीएसटी फ्रॉड में फंसने से परेशान युवक ने दी जान सुसाइड नोट में अलीगढ़ पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप



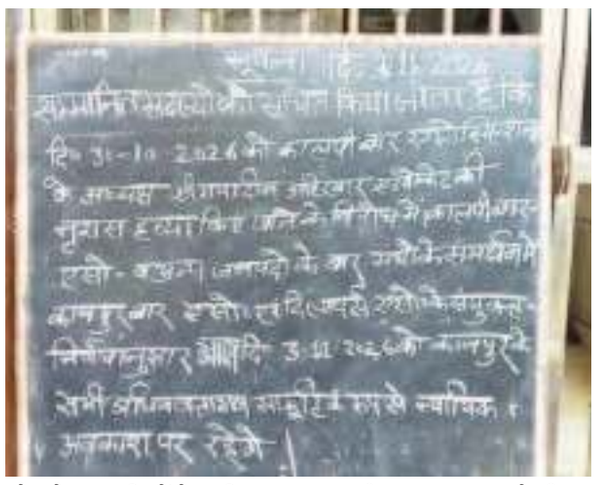
एजेंसी। औरैया

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के जैनपुर निवासी 22 वर्षीय युवक गजेंद्र सिंह पुत्र शिवप्रसाद सिंह ने सोमवार देर शाम शेखूपुर हार में पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि आत्महत्या से पहले गजेंद्र ने अपने बड़े भाई दीपेंद्र और छोटे भाई अनुज को घटनास्थल की लोकेशन भेजी थी। लोकेशन मिलते ही परिजन कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गए। उन्होंने युवक को बचाने की कोशिश करते हुए शव को फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक द्वारा छोड़े गए सुसाइड नोट में करीब नौ करोड़ रुपये के लेनदेन और दो करोड़ रुपये के टैक्स का उल्लेख किया गया है। नोट के मुताबिक, अलीगढ़ में किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम से फर्जी फर्म का पंजीकरण कराया था। इस फर्म के माध्यम से करीब नौ करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया, जिस पर लगभग दो करोड़ रुपये का टैक्स बनता था। गजेंद्र ने लिखा कि उसे इस फर्म और उससे हुए लेनदेन की कोई जानकारी नहीं थी। सुसाइड नोट के अनुसार, 22 अक्टूबर को अलीगढ़ पुलिस ने इस मामले में उससे संपर्क किया था। युवक का आरोप है कि उसने पुलिस को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा दिए थे, इसके बावजूद उसे मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था। इसी से आहत होकर उसने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। हल्का इंचार्ज रंजन यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। सुसाइड नोट है। दोनों संगठनों की ओर से दो नवंबर को जारी पत्र में बताया गया कि कालपी बार एसोसिएशन और

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में वकीलों ने किया कानपुर कचहरी में कार्य बहिष्कार, बार एसोसिएशन ने की आरोपितों को कड़ी सजा देने की मांग

एजेंसी। कानपुर

उत्तर प्रदेश के कानपुर में वरिष्ठ अधिवक्ता गयादीन अहिरवार की हत्या के विरोध में कानपुर कचहरी के अधिवक्ता मंगलवार को न्यायिक कार्य नहीं कर रहे हैं। अधिवक्ता संगठनों ने हत्याकांड पर आक्रोश जताते हुए आरोपितों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दि लॉयर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पुष्कर धर द्विवेदी ने बताया कि कानपुर बार एसोसिएशन और दि लॉयर्स एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से मंगलवार को सभी न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया



है। दोनों संगठनों की ओर से दो नवंबर को जारी पत्र में बताया गया कि कालपी बार एसोसिएशन और प्रदेश के अन्य जिलों के अधिवक्ता संगठनों के समर्थन में यह कदम उठाया गया है। इस संबंध में जिला न्यायाधीश, कानपुर नगर को भी पत्र भेजकर निर्णय की जानकारी दी गई है। गौरतलब है कि कालपी बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता गयादीन अहिरवार का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। उनका शव कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र में बरामद हुआ था। घटना के बाद से ही अधिवक्ता समुदाय में नाराजगी है। आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद भी अधिवक्ता हत्याकांड में सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इधर, जालौन, उरई और आसपास के क्षेत्रों के अधिवक्ता भी घटना के विरोध में चार नवंबर तक न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय ले चुके हैं। कानपुर के दोनों प्रमुख अधिवक्ता संगठनों के फैसले से मंगलवार को कचहरी में न्यायिक कामकाज प्रभावित रहेगा।

दीपावली पर संगम नगरी में सजे देशभर के कारीगरों के सजावटी फूल-पौधों के बाजार



एजेंसी। प्रयागराज

दीपावली के पर्व पर संगम नगरी के बाजारों में देश के विभिन्न हिस्सों से आए छोटे कारोबारियों ने रौनक बढ़ा दी है। राजस्थान, तमिलनाडु, बंगलूर और लखनऊ से आए परिवारों ने शहर के अलग-अलग इलाकों में सड़क किनारे सजावटी सामान की दुकानें लगाई हैं। रंग-बिरंगे और सुनहरे प्लास्टिक के फूल, पौधे, झालर और झूमर लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। दीपावली के अवसर पर कुछ दिनों में अच्छी कमाई की उम्मीद लेकर ये परिवार करीब एक सप्ताह पहले ही प्रयागराज पहुंच गए हैं। इन दुकानों पर दीपावली के साथ घरों और प्रतिष्ठानों को सजाने के लिए तरह-तरह के कृत्रिम फूल और पौधे उपलब्ध हैं। आकर्षक डिजाइन और सुनहरी चमक वाले सजावटी उत्पाद लोगों की पसंद बन रहे हैं। राजस्थान से करीब 50 लोग और दक्षिण भारत से 20 से अधिक परिवार शहर में आए हैं। इसके अलावा लखनऊ और बंगलूर से भी कारोबारी अपनी दुकानें लगाकर बिक्री कर रहे हैं। तमिलनाडु से आईं महिमा ने बताया कि उनके क्षेत्र से करीब 50 परिवार प्रयागराज आए हैं। शहर के अलग-अलग मार्गों पर इन परिवारों ने अपनी दुकानें लगाई हैं। दीपावली के पर्व पर कारोबार करने के बाद सभी परिवार अपने गांव लौट जाएंगे। उन्होंने बताया कि सजावटी फूलों और झालरों की कीमत 200 रुपये से लेकर दो हजार रुपये तक है। राजस्थान से आईं बबिता ने बताया कि उनके क्षेत्र के करीब 50 लोग सिविल लाइंस इलाके में दुकानें लगाकर सजावटी सामान बेच रहे हैं। वहीं, लखनऊ निवासी मनोज ने बताया कि उनके पास प्लास्टिक से बने सुनहरे रंग के विभिन्न प्रकार के फूल और पौधे उपलब्ध हैं। इनकी कीमत 200 रुपये से लेकर पांच हजार रुपये तक है। दीपावली का पर्व इन छोटे कारोबारियों के लिए रोजगार और अतिरिक्त आमदनी का अवसर लेकर आया है। वहीं, इनके आकर्षक उत्पादों से शहर के बाजारों में भी उत्सव का रंग और निखर रहा है।

आईजीआरएस रैंकिंग में औरैया पुलिस प्रदेश में प्रथम



एजेंसी। औरैया

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के तहत जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में अक्टूबर 2026 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में औरैया पुलिस ने प्रथम स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के मूल्यांकन में प्रदेश के सभी 75 जिलों में औरैया को पहला स्थान मिला है। जनपद के बिधूना, अछल्दा, सहायल, ऐरवाकटरा, सहार, बेला, अयाना, फफूंद और महिला थाना समेत नौ थानों को भी शत-प्रतिशत कार्रवाई के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। पुलिस की ओर से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, ऑनलाइन शिकायतों, समाधान दिवस और उच्चाधिकारियों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण किया गया। इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने आईजीआरएस सेल से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया और भविष्य में भी इसी तरह जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

अमेठी: पुलिस मुठभेड़ में 33 मुकदमों का आरोपी गिरफ्तार, साथी भी दबोचा

एजेंसी। अमेठी

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में शिवरतनगंज थाना क्षेत्र में ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो शातिर अंतरजनपदीय चोरों को गिरफ्तार किया है। जवाबी फायरिंग में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरा मोटरसाइकिल गिरने से पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गिरफ्तार आरोपियों में वकील उर्फ सेनापति निवासी इटौंजा, थाना कुमारगंज, अयोध्या पर चार जिलों में चोरी, लूट, एनडीपीएस और गैंगस्टर एक्ट समेत 33 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं उसके साथी चांद मोहम्मद उर्फ बादशाह पर आठ मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. ने बताया कि मंगलवार की सुबह तड़के ही अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ के लिए ऑपरेशन चक्रव्यूह चलाया जा रहा था । तभी क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र एवं शिवरतनगंज पुलिस के साथ कुकहा रामपुर मोड़ पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पूरे बैसन मजरे जैतपुर में हुई चोरी के आरोपी मोटरसाइकिल से आ रहे हैं। जिनको पकड़ने के लिए पुलिस ने रोकना चाहा तो संदिग्ध मोटरसाइकिल सवारों ने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया और फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वकील उर्फ सेनापति घायल हो गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, सात जोड़ी पायल, छह बिछिया, सोने-चांदी के अन्य जेवरात और चोरी के सामान की बिक्री के 15 हजार रुपये बरामद हुए। वारदात में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी कब्जे में ली गई। पूछताछ में आरोपियों ने करीब 15 दिन पहले बाजार शुक्ल क्षेत्र के नेवाजगढ़ कैथन और 10 दिन पहले शिवरतनगंज के पूरे बैसन में चोरी करना स्वीकार किया।

बहराइच : बिना अनुमति चल रहा जलपरी शो का टैंक फटने से 15 घायल, आयोजक समेत चार गिरफ्तार

एजेंसी। बहराइच

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में फखरपुर थाना क्षेत्र के खालेपुर गांव में सोमवार देर रात दादा मियां के उर्स मेले में जलपरी शो के दौरान बड़ा हादसा हो गया। पानी से भरा शो का टैंक अचानक तेज आवाज के साथ फट गया। टैंक की कांच की दीवार टूटने से चार बच्चों समेत 15 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मेले में अफरा-तफरी मच गई। घायलों को आनन-फानन में सीएचसी फखरपुर पहुंचाया गया, जहां दो बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मेला कमेटी के अध्यक्ष और शो संचालक समेत चार लोगों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में टैंक में पानी का



दबाव अधिक होना हादसे की वजह बताया जा रहा है। जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर फखरपुर थाना क्षेत्र के खालेपुर गांव में सोमवार देर रात उर्स मेले में जलपरी शो चल रहा था। शो देखने के लिए दर्शक टैंक के आसपास मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इसी दौरान अचानक टैंक तेज आवाज के साथ फट गया। करीब 20 हजार लीटर पानी का तेज बहाव बाहर निकल आया। पानी के दबाव से टैंक की कांच की दीवार टूट गई और वहां मौजूद लोगों में भगदड़ जैसे हालात बन गए। तेज बहाव में कई बच्चे कई मीटर तक बह गए। टूटे कांच के टुकड़े बच्चों के चेहरे और सिर में धंस गए। कई लोग खून से लथपथ हो गए। बच्चों को घायल देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बच्चों और अन्य घायलों को संभाला। हादसे की सूचना पर पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। घायलों को सीएचसी फखरपुर ले जाया गया। सिर और चेहरे में कांच के टुकड़े धंसने से दो बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। घायलों में गांव के अर्श (8), बुरुऊ (7), अहद खान (8) और मोहम्मद सादिक (9) शामिल हैं। सादिक के सिर में टांके लगाए गए हैं। उसने बताया कि जलपरी शो का शीशा टूटने से उसे चोट लगी। हादसे में शो में करतब दिखा रही जलपरी भी घायल हुई है। फखरपुर निवासी सलीम खान परिवार के साथ उर्स मेले में जलपरी शो देखने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि दादा मियां के उर्स पर सोमवार से तीन दिवसीय मेला शुरू हुआ था। शो देखने के लिए 50 रुपये का टिकट लिया था। जलपरी पानी से भरे टैंक में करतब दिखा रही थी, तभी अचानक तेज आवाज के साथ टैंक फट गया। सलीम के मुताबिक, उस समय शो में करीब 20 से 25 लोग मौजूद थे। खालेपुर गांव में हर साल नवंबर में दादा मियां के उर्स पर तीन दिवसीय मेला आयोजित होता है। इस बार पहली बार मेले में जलपरी शो लगाया गया था। शो में एक लड़की मछली जैसी पोशाक पहनकर पानी से भरे टैंक में करतब दिखाती थी। करीब 20 फीट लंबे और 10 फीट चौड़े टैंक में लगभग 20 हजार लीटर पानी भरा था। टैंक के बाहर कांच की दीवार लगाई गई थी। इसी कांच के टूटने से हादसा हुआ। घटना के सम्बन्ध में फखरपुर थाना प्रभारी राजकुमार राजभर ने बताया कि जलपरी शो के आयोजन की अनुमति नहीं ली गई थी। उर्स कमेटी के अध्यक्ष वाजिद खान और शो संचालक शादाब समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

उछला शेयर बाजार, पहले घंटे में ही दो लाख करोड़ तक बढ़ी निवेशकों की दौलत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में आज लगातार चौथे दिन तेजी का सिलसिला जारी है। आज सुबह के कारोबारी सत्र में बाजार में शानदार रौनक देखने को मिली। कच्चे तेल की कीमत लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बने रहने के दबाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में पॉजिटिव सेंटीमेंट्स के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने जोरदार शुरूआत की। शुरूआती कारोबार के दौरान ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 700 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,600 के महत्वपूर्ण स्तर को पार करने में सफल रहा। बाजार में इस चौतरफा खरीदारी के चलते ब्रॉडर मार्केट में भी आज दिन के पहले सत्र के कारोबार के दौरान लगातार



पॉजिटिव माहौल बना हुआ है, विशेषकर मिडकैप शेयरों में खरीदारी का ज्यादा जोर दिखाई दे रहा है। बाजार की इस तेज छलांग की वजह से सुबह पहले घंटे के कारोबार में ही बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के कुल मार्केट कैप में करीब दो लाख करोड़ रुपये का बड़ा इजाफा दर्ज किया गया, जिससे निवेशकों की संपत्ति में भारी बढ़ोतरी हुई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि घरेलू शेयर बाजार में आज आई इस शानदार तेजी के पीछे मुख्य रूप से तीन बड़े कारण काम कर रहे हैं। धामी सिक्योरिटीज को वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के अनुसार बाजार को सबसे बड़ा सहारा एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों से मिल रहा है, जहां मैरिको और गॉडफ्रे फिलिप्स जैसी दिग्गज कंपनियों में आई जोरदार तेजी के चलते पूरा इंडेक्स एक प्रतिशत से भी ज्यादा मजबूत हो चुका है। इसके अलावा ग्लोबल मार्केट में चिप बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में हुई बिकवाली के बाद घरेलू आईटी कंपनियों के प्रति निवेशकों का आकर्षण बढ़ा है, जिससे भारतीय आईटी स्टॉक्स को अच्छा सपोर्ट मिल रहा है। प्रशांत धामी का कहना है कि बाजार की आज की तेजी की तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा भारतीय बाजार में लगातार की जा रही भारी खरीदारी है। विदेशी निवेशकों के इस भरोसे को उस खबर से और बल मिला है, जिसके मुताबिक मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने सरकार से विदेशी निवेशकों को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस (एलटीजीसी) पर टैक्स से राहत देने का प्रस्ताव किया है। इन्हीं सकारात्मक वजहों के चलते आज निफ्टी की वीकली एक्सपायरी के दिन भी शुरूआती कारोबार के दौरान बाजार पूरे जोश में नजर आ रहा है।

देश की बायोइकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए तेज मंजूरी प्रक्रिया और आसान फंडिंग जरूरी: गोयल

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने देश की जैव अर्थव्यवस्था (बायोइकोनॉमी) को गति देने के लिए नियामकीय मंजूरियों की प्रक्रिया तेज करने, स्टार्टअप्स के लिए वित्त पोषण को आसान बनाने और उद्योग तथा शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि गोयल ने नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में "भारत में बायोइकोनॉमी अवसरः नवाचार और विकास को बढ़ावा देने में स्टार्टअप्स की भूमिका" विषयक एक उच्च-स्तरीय गोलमेज बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह बात कही। इसका आयोजन उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने नीति आयोग और नीति फ्रंटियर टेक हब के सहयोग से किया था। गोयल ने अपने संबोधन में भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं और उद्यमशीलता प्रतिभा का उपयोग करके भारत को बायोइकोनॉमी में विश्व स्तर पर अग्रणी देश (ग्लोबल लीडर) के रूप में स्थापित करने की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने तेजी से मंजूरी मिलने, वित्त तक बेहतर पहुंच, साझा बुनियादी ढांचे और उद्योग, शिक्षा जगत तथा सरकार के बीच मजबूत सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने गोलमेज बैठक से निकले सुझावों पर निश्चित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई करने का आह्वान किया। इस बैठक में नीति-निमार्ताओं, उद्योग जगत के दिग्गजों और बायोफार्मा स्टार्टअप्स ने हिस्सा लिया। बैठक का उद्देश्य भारत की बायोइकोनॉमी के विकास को तेज करने के उपायों पर चर्चा करना था। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक्स पर जारी पोस्ट में लिखा कि भारत के बायोफार्मा और बायोटेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स के साथ चर्चा की गई है, जिसमें मुख्य चुनौतियों पर बात हुई और विकास के नए अवसरों को खोलने पर विचार किया गया। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, फंडिंग तक पहुंच को बेहतर करने, पेटेंट मंजूरियों में तेजी लाने और घरेलू खरीद तथा अनुसंधान बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत पर चर्चा हुई। इससे सरकार, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच बेहतर सहयोग से इनोवेटिव स्टार्टअप्स को अपना दायरा बढ़ाने में मदद मिलेगी और वे भारत की बढ़ती बायो-इकोनॉमी में योगदान दे सकेंगे।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं



एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। माना जा रहा है कि सोने के भाव में धनतेरस और दिवाली की वजह से तेजी का ये माहौल बना है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुरूआती कारोबार में आज भी ये चमकीली धातु सोमवार के भाव पर ही बिक रही है। भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के पुराने स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना

इंडिगो के बेड़े में साल 2027 तक शामिल होंगे 14 ए321 एक्सएलआर विमानः विली वॉल्श

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विली वॉल्श ने मंगलवार को कहा कि दिसंबर 2027 के अंत तक एयरलाइन के बेड़े में कुल 14 नैरो-बॉडी ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि एयरलाइन अपने अंतरराष्ट्रीय परिचालन का विस्तार करने की योजना बना रही है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में विली वॉल्श ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल कंपनी के बेड़े में ए321 एक्सएलआर के चार विमान हैं, जबकि इस साल के अंत तक एक और विमान शामिल किया जाएगा। वॉल्श ने कहा कि इन विमानों की रेंज अधिक है, जिससे एयरलाइन को विदेशों में और अधिक जगहों तक अपनी सेवाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। विली वॉल्श ने 'एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2026' सम्मेलन में बोलते इस बात पर भी जोर दिया कि एयरलाइन का मुख्य फोकस छोटी दूरी (शॉर्ट-हॉल) की उड़ानों पर बना रहेगा और उनकी लागत संरचना (कॉस्ट बेस) बहुत ही किफायती है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन, जिसने लीज पर लिए गए वाइड-बॉडी बोइंग 787 विमानों का परिचालन बंद कर दिया है, उसे 2028 की दूसरी तिमाही से अपने अ350-900 विमान मिलने की उम्मीद है। इंडिगो सीईओ ने बताया कि अ350 विमानों के साथ परिचालन शुरू करने से पहले अभी काफी काम किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि अ350 के शामिल होने के उत्साह में हम अपना ध्यान न भटकाएं। हमें छोटी दूरी की नैरो-बॉडी उड़ानों पर भी अपना ध्यान बनाए रखना होगा, जो कि अभी बहुत ही किफायती तरीके से चल रही हैं। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने हवाई अड्डों के बारे में उन्होंने कहा कि उनके साथ प्रभावी साझेदारी करने की जरूरत है।

चीनी अरबपति को पछाड़ मुकेश अंबानी एक बार फिर बने एशिया के शीर्ष दौलतमंद

एजेंसी। नई दिल्ली

मुकेश अंबानी एक बार फिर एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। फोर्ब्स की ताजा रियल-टाइम रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ने टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस के सह-संस्थापक झांग यिमिंग को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाम हासिल किया है। आज मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति में साढ़े दस प्रतिशत की जोरदार बढ़ोतरी देखी गई, जिसके बाद उनका कुल नेटवर्थ बढ़कर 88.8 बिलियन डॉलर यानी करीब 7.4 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। इस बंपर उछाल के साथ अंबानी अब दुनिया भर के रईसों की सूची में 22वें स्थान पर काबिज हो गए हैं। बताया जा रहा है कि मुकेश अंबानी की संपत्ति में आई इस रिकॉर्ड तेजी की मुख्य वजह रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सोमवार को दर्ज किया गया 12 प्रतिशत का ऐतिहासिक उछाल है। कंपनी के बेहतरीन दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद निवेशकों ने सोमवार को जमकर खरीदारी की, जिससे रिलायंस के मार्केट कैप में एक ही दिन में करीब 1.6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का इजाफा हो गया। जुलाई से सितंबर तक की इस दूसरी तिमाही में कंपनी का कुल रेवेन्यू 28 प्रतिशत बढ़कर 3.62 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध मुनाफा 34 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगा कर रिकॉर्ड 29,550 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा हाल ही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर जियो प्लेटफॉर्म्स के देश के सबसे बड़े आईपीओ की 27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हुई धमाकेदार लिस्टिंग ने भी कंपनी के वैल्यूएशन को तगड़ा बूस्ट दिया है। इस उलटफेर के बाद जहां झांग यिमिंग 84 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ खिसक कर दुनिया के सबसे रईस लोगों की सूची में 25वें स्थान पर आ गए हैं, वहीं भारत के दूसरे बड़े उद्योगपति और अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी 80.1 बिलियन डॉलर के कुल नेटवर्थ के साथ दुनिया के रईसों की सूची में 26वें पायदान पर बने हुए हैं। रिलायंस के इस शानदार प्रदर्शन से बाजार के एक्सपर्ट्स भी काफी उत्साहित हैं, जिसके कारण साल 2017 के बाद पहली बार रिलायंस के स्टॉक पर किसी भी बड़े एनालिस्ट की 'होल्ड' या 'सेल' रेटिंग नहीं बची

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में जोरदार तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का माहौल बना हुआ है। आज बाजार की शुरूआत शानदार बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली का जोर बना दिया जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की मजबूती और बढ़ गई। ग्लोबल मार्केट से मिले अच्छे संकेतों और बैंकिंग व ऑटोमोबाइल सेक्टर में आई तूफानी तेजी के सपोर्ट से शुरू हुई इस खरीदारी के दम पर बाजार लगातार ऊंचाई की ओर बढ़ता गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के



बीच सुबह 10 बजे तक कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.94 प्रतिशत और निफ्टी 0.81 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 595.87 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की दमदार बढ़त दर्ज करते हुए 76,288.65 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में लिवाली का दौर शुरू हो गया। खासकर, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे बड़े हैवीवेट शेयरों में आई तूफानी तेजी से बाजार को शुरूआती बूस्ट मिला, जिससे यह सूचकांक शुरूआती कुछ मिनटों के भीतर ही उछल कर 76,425.30 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 709.48 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की शानदार मजबूती के साथ 76,402.26 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था। सेंसेक्स की ही तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 141.45 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की जोरदार उछाल के साथ 23,582.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बैंकिंग, ऑटो और एफएमसीजी जैसी दिग्गज कंपनियों में शुरू हुई जोरदार लिवाली के चलते इस सूचकांक की चाल ने रफ्तार पकड़ ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी शुरूआती कारोबार में ही 23,640.10 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी इसी लिवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 190.05 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,630.85 अंक के स्तर पर

बीएलएस पॉलीमर्स की स्टॉक मार्केट में धमाकेदार एंट्री, आईपीओ निवेशकों को हुआ बंपर मुनाफा



एजेंसी। नई दिल्ली

वायर, केबल और अंडरग्राउंड पाइपलाइनों में इस्तेमाल होने वाले विशेष पॉलीमर कंपाउंड का निर्माण करने वाली कंपनी बीएलएस पॉलीमर्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरूआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 150 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 62.70 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 244.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 65.30 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 248 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 285 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये ऊपरी स्तर से नीचे गिर कर 225 रुपये के स्तर तक भी कुछ देर के लिए पहूंच गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इसके स्तर में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच दोपहर दो बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 263.45 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 113.45 रुपये यानी 75.63 प्रतिशत का फायदा हो गया है। इस कंपनी का 255 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 167.10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 199.32 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 554.79 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 124.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.70 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के तहत शेयरों की बिक्री से जुटाए गए इस पैसे में से 77.56 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के विस्तार और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए कैपिटेल एक्सपेंडिचर के रूप में करेगी। इसके अलावा 89.50 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल की जरुरतों को पूरा करने और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी। बीएलएस पॉलीमर्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 21.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27.01 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 10.23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 336.70 करोड़ रुपये का कुल राजस्व (टोटल इनकम) प्राप्त हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 354.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 107.81 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के विस्तार के साथ उस पर लदे कर्ज के बोझ में कमी देखने को मिली है, हालांकि हालिया तिमाही में यह थोड़ा बढ़ा है। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी पर कुल 73.92 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर 51.72 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी पर कुल 62.91 करोड़ रुपये का कर्ज दर्ज किया गया था। कंपनी की कुल संपत्ति (टोटल एसेट्स) में भी इस दौरान मजबूती बनी रही। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी की कुल संपत्ति 179.14 करोड़ रुपये के स्तर पर थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 206.13 करोड़ रुपये हो गई। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के अंत यानी 30 जून 2026 तक कंपनी की कुल संपत्ति 231.34 करोड़ रुपये दर्ज की गई। रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो कंपनी ने इस मोर्चे पर भी उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती बनाई है। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 58.34 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में थोड़ा घटकर 49.90 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून तक यह दोबारा शानदार सुधार के साथ 60.14 करोड़ रुपये हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी लगातार बड़ा इजाफा दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 67.94 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 94.93 करोड़ रुपये हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के अंत यानी 30 जून तक कंपनी का नेटवर्थ 105.17 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: बुधवार को दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा गत

एजेंसी। मोहाली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम बुधवार को हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब 2026 के सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। गत चैंपियन भारत की नजरें इस मुकाबले में जीत दर्ज कर खिताब बचाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाने पर होंगी। टूर्नामेंट का लीग चरण जालंधर में खेला गया था, जबकि अब मुकाबले मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में होंगे। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम ने लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी पांच मुकाबले जीते और बिना कोई मैच गंवाए सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसमें सोमवार को जालंधर में आखिरी लीग मुकाबले में दक्षिण कोरिया पर 8-0 की जीत भी शामिल है। अब दोनों टीमें तीन दिन में दूसरी बार आमने-सामने होंगी। हालांकि, सेमीफाइनल का मुकाबला दोनों टीमों के लिए नई चुनौती होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कोरिया के खिलाफ जीत के बाद कहा था कि नॉकआउट मुकाबले का दबाव अलग होगा और टीम को अच्छी शुरूआत करनी होगी। लीग चरण में भारतीय टीम की सफलता में उसके सभी फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है। सुखजीत सिंह और दिलप्रीत सिंह ने अच्छी फार्म दिखाई है। दोनों ने टूर्नामेंट में अब तक चार-चार गोल किए हैं। वहीं, अभिषेक के नाम तीन गोल हैं। हालांकि, चोट के कारण वह दक्षिण कोरिया के खिलाफ पिछले मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह नौ गोल के साथ टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। टीम के एक अन्य ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह ने भी तीन गोल किए हैं। भारत 15 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर रहा। टीम ने लीग चरण में कुल 34 गोल किए, जबकि उसके खिलाफ केवल पांच गोल हुए। अब भारतीय टीम इसी प्रदर्शन को सेमीफाइनल में भी दोहराते हुए छठी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतना चाहेगी। भारत टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे सफल टीम है, जिसने 2011, 2016, 2018 (पाकिस्तान के साथ संयुक्त विजेता), 2023 और 2024 में ट्रॉफी जीती है।



भारत के खिलाफ पहले वनडे से बाहर हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे



एजेंसी। ऑकलैंड

भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे चोट के कारण पहले वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज की शुरूआत बुधवार यानी चार नवंबर से हो रही है। पहला मैच ऑकलैंड में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि मंगलवार को ईडन पार्क में अभ्यास सत्र के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में कॉनवे और उनके साथी खिलाड़ी मैट हेनरी के बीच टक्कर हो गई। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ियों को मैदान पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद दोनों की सिर की चोट से जुड़ी जांच (हेड इंजरी असेसमेंट) की गई। जांच के बाद डेवोन कॉनवे को आगे की चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें कन्कशन (सिर में चोट के कारण मस्तिष्क पर असर) होने की पुष्टि हुई। इसी वजह से वह भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार दोनों खिलाड़ियों की लगातार निगरानी की जाएगी। हालांकि, मैट हेनरी फिलहाल टीम में चयन के लिए उपलब्ध माने जा रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम पहले से ही मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र की चोटों से परेशान है। ऐसे में पहले वनडे से ठीक पहले कॉनवे का बाहर होना टीम के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग: वैष्णवी शर्मा ने लगाई 53 स्थान की छलांग, 94वें नंबर पर पहुंची



एजेंसी। नई दिल्ली

जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कई खिलाड़ियों को आईसीसी महिला वनडे प्लेयर रैंकिंग में फायदा हुआ है। गेंदबाजी रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग 20 वर्षीय भारतीय स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने लगाई है। वह 53 स्थान ऊपर चढ़कर 94वें नंबर पर पहुंच गई हैं। वैष्णवी ने सीरीज के दूसरे वनडे में चार विकेट हासिल किए थे। इसके बाद आखिरी मुकाबले में भी उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट चटकाए थे। वनडे करियर का अपना केवल तीसरा मैच खेल रहीं वैष्णवी ने 39 रन देकर पांच विकेट हासिल किए थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज सयाली सतघारे को भी फायदा हुआ है। सयाली ने आखिरी वनडे में छह ओवर में 11 रन देकर दो विकेट हासिल किए थे। इसके परिणामस्वरूप वह 18 स्थान की छलांग लगाकर 85वें नंबर पर पहुंच गईं हैं। वहीं, इस मुकाबले में दो विकेट लेने वाली क्रांति गौड़ भी एक स्थान ऊपर चढ़कर 24वें नंबर पर पहुंच गई हैं। जिम्बाब्वे की नोमवेलो सिबांडा को भी गेंदबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है। आखिरी वनडे में एक विकेट हासिल करने के बाद वह दो स्थान ऊपर चढ़कर 60वें नंबर पर पहुंच गई हैं। वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने सुधार किया है। सीरीज में लगातार तीसरा अर्धशतक लगाने के बाद वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर 18वें नंबर पर पहुंच गई हैं। सीरीज के आखिरी वनडे में आक्रामक अंदाज में 51 रनों की पारी खेलने वाली शेफाली वर्मा को आठ स्थान का फायदा हुआ है। वह अब संयुक्त रूप से 65वें स्थान पर पहुंच गई हैं। जिम्बाब्वे की खिलाड़ियों ने भी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया है। आखिरी मुकाबले में 37 रन बनाने वाली सलामी बल्लेबाज मोडेस्टर मुपाचिकवा तीन स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि टीम की कप्तान जोसेफिन नकोमो को दो स्थान का फायदा हुआ है और वह 49वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

एएफसी एशियन कप 2027 स्थगित, अब 23 दिसंबर 2027 से 21 जनवरी 2028 तक होगा टूर्नामेंट

एजेंसी। रियाद

एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) ने एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 के कार्यक्रम में बदलाव की घोषणा की है। पहले यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट सात जनवरी से पांच फरवरी 2027 तक आयोजित होना था, लेकिन अब इसे स्थगित कर दिया गया है। नई तारीखों के अनुसार, टूर्नामेंट 23 दिसंबर 2027 से 21 जनवरी 2028 तक खेला जाएगा। एएफसी ने एक बयान में बताया कि मंगलवार को यह फैसला सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ (एसएएफएफ) और टूर्नामेंट की स्थानीय आयोजन समिति (एलओरसी) के साथ विस्तृत चर्चा और विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। क्षेत्र में मौजूदा असाधारण परिस्थितियों, लॉजिस्टिक चुनौतियों और यात्रा संबंधी बाधाओं को देखते हुए टूर्नामेंट की तारीखों में बदलाव किया गया है। टूर्नामेंट की नई तारीखें मंजूरी के लिए फीफा के पास भेजी जाएंगी। एएफसी के अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में पहले से निर्धारित आयोजन करना मुश्किल हो रहा था। ऐसे में सभी भाग लेने वाली टीमों, अधिकारियों, दर्शकों और अन्य हितधारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट को स्थगित करना आवश्यक हो गया। एएफसी ने विश्वस्तरीय टूर्नामेंट के आयोजन के प्रति प्रतिबद्धता दिखाने के लिए सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ और स्थानीय आयोजन समिति की सराहना की है। साथ ही कहा है कि वह आयोजन समिति, भाग लेने वाले सदस्य संघो, प्रायोजकों, प्रसारण एवं व्यावसायिक साझेदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा, ताकि एशिया की इस प्रतिष्ठित पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक कार्यक्रम के तहत प्रतियोगिता का किया जा सके।



ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। 38 वर्षीय मैक्सवेल का अंतरराष्ट्रीय करियर 14 साल तक चला। उन्होंने आखिरी बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में ओमान के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा लिया था। अपने संन्यास की घोषणा करते हुए ग्लेन मैक्सवेल ने द फाइनल वर्ड पॉडकास्ट पर कहा कि यह फैसला थोड़ा दुखद है लेकिन मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर रहा हूं। उन्होंने चयनकताओं के साथ हुई बातचीत के बारे में कहा कि टी20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में हमारी कई बार चर्चा हुई थी। यह बातचीत काफी खुली और स्पष्ट थी। कि मुझे अपने देश के लिए खेलने



अपने करियर को लेकर मैक्सवेल ने कहा कि मैं शुक्रगुजार हूँ का मौका मिला। अगर 2009 के आसपास जब मैंने पहली बार विक्टोरिया के ड्रेसिंग रूम में कदम रखा था, तब किसी ने मुझे ऐसा करियर देने की बात कही होती, तो मैं खुशी-खुशी इसे स्वीकार कर लेता। ग्लेन मैक्सवेल के संन्यास के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का एक यादगार अध्याय समाप्त हो गया है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार फील्डिंग और उपयोगी गेंदबाजी के दम पर उन्होंने दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों के बीच खास पहचान बनाई। मैक्सवेल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में ऑस्ट्रेलिया का तीनों प्रारूपों में प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 149 वनडे, 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 7 टेस्ट मुकाबले खेले। इस दौरान वह ऑस्ट्रेलिया की दो वनडे विश्व कप (2015 और 2023) तथा एक टी20 विश्व कप (2021) जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। सफेद गेंद के क्रिकेट में मैक्सवेल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर मैक्सवेल ने कई मौकों पर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। खास तौर पर 2023 वनडे विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ उनकी ऐतिहासिक दोहरा शतकीय पारी क्रिकेट इतिहास की यादगार पारियों में शामिल है। उस मुकाबले में उन्होंने चोट और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद नाबाद दोहरा शतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी। मैक्सवेल के वनडे करियर की बात करें तो उन्होंने 149 मैचों में 3990 रन बनाए। वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके बल्ले से 2897 रन निकले, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 154.4 का रहा। सात टेस्ट में 339 रन बनाए। इसके अलावा मैक्सवेल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 10 शतक लगाए और 136 विकेट भी हासिल किए।

श्याम लाल कॉलेज का अंतर कॉलेज हॉकी खिताब पर कब्जा बरकरार



एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के श्याम लाल कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज हॉकी प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के खिताब पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। श्याम लाल कॉलेज ने प्रतियोगिता में अपराजित रहते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। सुपर लीग के अंतिम लीग मैच में श्याम लाल कॉलेज ने श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज को 9-0 से हराकर पूरे अंक अर्जित किए। श्याम लाल कॉलेज की तरफ से प्रत्यूष सिंह जग्गी ने तीन गोल, नंदकिशोर ने दो गोल और मोहम्मद आमिर, भूपेंद्र, हर्ष यादव और कप्तान के. रोहित ने एक- एक गोल किया। गोल औसत के आधार पर श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स को दूसरा स्थान मिला और श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज को तीसरा स्थान मिला। मेजबान श्याम लाल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रबि नारायण कर की घोषणा के अनुसार पहले तीन स्थानों पर रही टीमों को ट्रॉफी और पदक प्रदान किए गए। आखिरी दिन सुपर लीग के मैच में श्रीराम कॉलेज ने हंसराज कॉलेज को 4-1 से हराया। यह पहला मौका था, जब बारिश की वजह से श्याम लाल कॉलेज का मैदान गीला होने के कारण अंतिम दिन के मैच पूर्वी दिल्ली के झिलमिल एस्ट्रो टर्फ मैदान पर खेले गए, जिससे खिलाड़ियों को अलग और अच्छा अनुभव मिला।

महिला विश्व कप जीत के एक साल पूरे, प्रतिका रावल और शेफाली वर्मा ने साझा किए यादगार पल



एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के विश्व चैंपियन बनने का दशकों लंबा इंतजार आखिरकार 2 नवंबर 2025 को खत्म हुआ था। इस दिन भारतीय महिला टीम ने पहली बार वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। इस ऐतिहासिक जीत के एक साल पूरे होने पर जियोस्टार के विशेष कार्यक्रम 'सेलिब्रेटिंग द चैंपियंस' में भारतीय टीम की खिलाड़ी प्रतिका रावल और शेफाली वर्मा ने विश्व कप से जुड़े यादगार पलों को साझा किया। प्रतिका रावल ने जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल में उसी तारीख पर शतक लगाने की खास कहानी सुनाई, जिस तारीख को उन्होंने 2025 विश्व कप में भी शतक जड़ा था। साथ ही प्रतिका ने बांग्लादेश के खिलाफ लगी चोट और विश्व कप से बाहर होने के मुश्किल दौर को भी याद किया। वहीं, शेफाली वर्मा ने टूर्नामेंट के बीच अचानक टीम में शामिल किए जाने का अनुभव साझा किया। भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल ने बीते 23 अक्टूबर को जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में शतक लगाने के पीछे की दिलचस्प कहानी बताई। उन्होंने कहा कि जब वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरने वाली थीं, तब टीवी पर 2025 महिला विश्व कप में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए मुकाबले की झलकियां दिखाई जा रही थीं। प्रतिका के मुताबिक, टीवी पर एक तारीख का जिक्र देखकर उन्हें याद आया कि इसी दिन उन्होंने विश्व कप में भी शतक लगाया था। प्रतिका ने बताया कि 'मैं स्मृति दीदी और अमोल सर (कोच) के साथ इस बारे में बात कर रही थी। हमने उसी पल इस उपलब्धि को दोहराने का फैसला किया। इसके बाद मैंने जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाया। उसी तारीख पर दोबारा शतक बनाना मेरे लिए बेहद खास अनुभव था।' प्रतिका रावल ने बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के दौरान लगी चोट और इसके कारण विश्व कप से बाहर होने के मुश्किल समय को भी याद किया। उन्होंने कहा कि 'जब मैं बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान गिरी, तभी मुझे एहसास हो गया था कि कुछ गड़बड़ है। मैं अपने शरीर को अच्छी तरह समझती हूं और चोट का असर सामान्य नहीं लग रहा था। एक्स-रे में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके बाद उनका विश्व कप अभियान समाप्त हो गया।' उन्होंने कहा कि 'विश्व कप के बीच चोटिल होना बेहद दुखद था। हालांकि, सेमीफाइनल और फाइनल में भारतीय टीम को खेलते देखना उनके लिए शानदार अनुभव रहा। उन्होंने होटल के कमरे में अपने पिता के साथ बैठकर सेमीफाइनल मुकाबला देखा और टीम की जीत के लिए दुआ की। यह उनके लिए भावनाओं से भरा समय था लेकिन आसपास मौजूद लोगों के सहयोग ने उन्हें हिम्मत दी।' वहीं, शेफाली वर्मा ने बताया कि उन्हें महिला विश्व कप 2025 के बीच में भारतीय टीम में शामिल होने की खबर मिली थी। उस समय वह हरियाणा की ओर से राज्य स्तरीय मुकाबला खेल रही थीं। शेफाली ने बताया कि 'मैं हरियाणा के लिए मैच खेल रही थी, तभी अचानक राष्ट्रीय टीम के मैनेजर का फोन आया। उन्होंने बताया कि विश्व कप के बाकी मुकाबलों के लिए मेरा चयन हो गया है। मुझे इस बात पर यकीन ही नहीं हुआ।' उन्होंने बताया कि उस दौरान वह सोशल मीडिया से दूर थीं और विश्व कप के मुकाबलों पर भी ज्यादा ध्यान नहीं दे रही थीं। वह पूरी तरह अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर रही थीं। शेफाली के अनुसार, पिछले एक साल में की गई मेहनत का फल मिलने जैसा यह अनुभव था। टीम के खिलाड़ियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद नेट सेशन में अभ्यास करके उन्होंने खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाला और अपनी लय हासिल की। उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवंबर 2025 को दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर पहली बार आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का खिताब जीता था।

नेतन्याहू का आतंकवाद विरोधी दलों से लिकुड के साथ आने का आह्वान

एजेंसी। यरुशलम



इजराइली संसद (नेसेट) के चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी लिकुड के नेता और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आतंकवाद विरोधी दलों से राष्ट्रीय सरकार बनाने सहयोग देने का आह्वान किया है। नेतन्याहू ने सोमवार रात सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, इजराइली जनता ऐसी सरकार नहीं चाहती जो राअम और जॉइंट लिस्ट जैसे दलों पर निर्भर हो। यह दल आतंकवाद का समर्थन करते हैं। यहूदी राष्ट्र के अस्तित्व को नकारते हैं। द यरुशलम पोस्ट और द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा, पहले दिन से ही हमने एक व्यापक राष्ट्रीय सरकार बनाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया है। नेतान्याहू ने कहा, यहूदी जनता के स्पष्ट बहुमत ने लिकुड को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में चुना है और मुझे प्रधानमंत्री के तौर पर अगली सरकार का नेतृत्व करने का अवसर प्रदान किया है। हम अपने सहयोगियों और किसी भी अन्य ऐसी पार्टी के साथ मिलकर एक व्यापक राष्ट्रीय सरकार बनाना चाहते हैं। आतंकवाद विरोधी दल हमारे साथ आएं।। नेतान्याहू ने कहा, मैं इस विषय पर खुले दिल से बातचीत करने के लिए तैयार हूं। पिछले हफ्ते हुए चुनाव के बाद यह पहली बार है जब उन्होंने राष्ट्रीय सरकार बनाने की बात कही है। चुनाव नतीजों में लिकुड पार्टी ने 27 सीटें जीतीं हैं। लिकुड पार्टी के नेता नेतन्याहू के गुट के पास कुल 53 सीटें हैं। 120 सदस्यीय नेसेट के चुनाव में यशार पार्टी ने 21 सीटें जीतीं और इसके चेयरमैन गादी आइसेनकोट के गुट के पास कुल 48 सीटें आई हैं। वहीं, अरब पार्टियों ने 19 सीटें जीतीं। इनमें राअम पार्टी प्रमुख है। यह मुख्य रूप से इजराइल में रहने वाले अरब नागरिकों और बेडौइन समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली एक अरब-इस्लामी राजनीतिक पार्टी है। उधर, बुधवार को राष्ट्रपति हर्जोग के सामने चुनाव के आधिकारिक नतीजे पेश किए जाएंगे। लिकुड पार्टी ने कहा कि इस प्रक्रिया को फिलहाल स्थगित कर दिया जाए। केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष ने इस मांग को ठुकरा दिया है। लिकुड पार्टी का दावा है कि अरब पार्टियों ने वोट चुरा लिए हैं। इजराइल के उच्चतम न्यायालय के जज नोम सोहलबर्ग ने भी इस मांग को खारिज कर दिया। इस समय 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में विदेशी दखलंदाजी के संदेह की जांच चल रही है। सोहलबर्ग की अध्यक्षता वाली केंद्रीय चुनाव समिति ने स्पष्ट किया कि अगर ये आरोप साबित भी हो जाएं तो भी इतने गंभीर नहीं हैं कि चुनाव के नतीजों को बदल सकें। समिति ने कहा कि चुनाव सही तरीके से कराए गए।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के लिए मतदान कुछ देर बाद शुरू होगा

एजेंसी। वाशिंगटन



अमेरिका में आज मध्यावधि चुनाव के लिए मतदान शुरू होने जा रहा है। भारतीय समयानुसार शाम करीब 4:30 बजे मतदान शुरू होगा। अमेरिकी समयानुसार मतदान केंद्र अलग-अलग राज्यों में सुबह 5:00 बजे से 8:00 बजे के बीच खुलेंगे। भारतीय समयानुसार मतदान चार नवंबर को सुबह 5:30 बजे समाप्त होगा। इसके ठीक बाद शुरूआती नतीजे आने भी शुरू हो जाएंगे। वाशिंगटन के कैपिटल हिल में सवेरा होने वाला है। मध्यावधि चुनाव यह तय करेंगे कि कांग्रेस पर किसका राजनीतिक नियंत्रण होगा। अमेरिकी नागरिक 'हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स' की सभी 435 सीट, सीनेट की 35 सीट और 36 गवर्नर के पदों के लिए मतदान करेंगे। इससे यह तय होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के आखिरी दो सालों में कांग्रेस पर रिपब्लिकन पार्टी का नियंत्रण बना रहता है या डेमोक्रेटिक पार्टी एक या दोनों सदनों में फिर से जीत हासिल करती है। सीएनएन के 'पोल ऑफ पोल्स' के अनुसार जेनेरिक कांग्रेसनल बैलेट में डेमोक्रेट्स को 9 अंकों की बढ़त हासिल है। साथ ही चुनावी विश्लेषकों ने भी कई कड़े मुकाबले वाली सीटों को लगातार डेमोक्रेट्स के पक्ष में जाते हुए दिखाया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स-सिएना के पोल के मुताबिक सीनेट की पांच अहम सीटों पर भी डेमोक्रेट्स आगे चल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगी लगातार गैर नागरिकों पर व्यापक मतदान और चुनाव धोखाधड़ी का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने ऐसे चुनाव अधिकारियों पर मुकदमा चलाने की धमकी दी है जो मतदान की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहते हैं या गैर-नागरिकों को मतदान करने की अनुमति देते हैं। उन्होंने कैलिफोर्निया में विवादित मतपत्रों की गिनती को प्रतिबंधित करने और अलास्का में परिणामों के प्रमाणीकरण को रोकने के लिए मुकदमे दायर किए

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के नेता लियू हैक्सिंग पाकिस्तान के दौरे पर, संबंधों को और मजबूत करने पर जोर



एजेंसी। इस्लामाबाद

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना की केंद्रीय समिति के अंतरराष्ट्रीय विभाग के मंत्री लियू हैक्सिंग ने सोमवार को पाकिस्तान के नागरिक और सैन्य नेतृत्व के साथ कई उच्च-स्तरीय बैठकें कीं। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर और उप प्रधानमंत्री इशाक डार के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने बताया कि लियू हैक्सिंग एक नवंबर को पाकिस्तान पहुंचे। यह उनका पहला आधिकारिक दौरा है। प्रधानमंत्री के साथ बैठक में लियू ने द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। इस दौरान शहबाज ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए निरंतर राजनीतिक जुड़ाव और पार्टियों के बीच आपसी आदान-प्रदान को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। लियू और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री ने दोहराया कि पाकिस्तान और चीन के बीच एक बेहद मजबूत, समय की कसौटी पर खरी उतरी और हर मौसम में कायम रहने वाली रणनीतिक सहकारी साझेदारी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच दोस्ती आपसी विश्वास, सम्मान और दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे संबंधों पर टिकी है। शहबाज ने दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे के विकास, सूचना प्रौद्योगिकी और कृषि के आधुनिकीकरण में सहयोग बढ़ाने पर दोनों पक्षों के साझा फोकस को रेखांकित किया। लियू ने चीनी नेतृत्व की ओर से शुभकामनाएं दीं और पाकिस्तान के साथ अपनी पुरानी दोस्ती को और गहरा करने के लिए बीजिंग की प्रतिबद्धता को दोहराया। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय मंचों पर करीबी समन्वय और सहयोग बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

नेपाल के सोलुखुम्बु में दो हेलिकॉप्टरों की टक्कर एक विदेशी नागरिक की मौत, एक घायल

एजेंसी। काठमांडू



नेपाल के सोलुखुम्बु में दो हेलिकॉप्टरों के आपस में टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अनुसार, फिस्टेल और डायनेस्टी एयर के हेलिकॉप्टर फेरीचे हेलिपैड पर उतरते समय आपस में टकरा गए। प्राधिकरण के सूचना अधिकारी ज्ञानेन्द्र भुल ने बताया कि फेरीचे हेलिपैड पर उतरने के दौरान दोनों हेलिकॉप्टरों के पंखों के टकराने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। सोलुखुम्बु जिला पुलिस कार्यालय के डीएसपी नवीनराज बुढाथोकी के अनुसार, खुम्बु पासांगल्हामु फेरीचे हेलिपैड पर उतरते समय दोनों हेलिकॉप्टरों के पंखे आपस में टकरा गए, जिससे यह दुर्घटना हुई। मृतक किस देश के नागरिक हैं, इसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति को इलाज के लिए माउंटेन हेलिकॉप्टर से भेजा गया है। सोलुखुम्बु के पुलिस निरीक्षक मौसम तामांग के अनुसार, मृतक विदेशी नागरिक हैं। उनके शव को प्रभु हेलिकॉप्टर से लुक्ला लाया गया है।

नेपाल के नए भारतीय राजदूत सुधाकर दलेला काठमांडू पहुंचे संभालेंगे कार्यभार

एजेंसी। काठमांडू



नेपाल के लिए नवनियुक्त भारतीय राजदूत सुधाकर दलेला अपना कार्यभार संभालने के लिए सोमवार को काठमांडू पहुंचे। दोपहर करीब दो बजे एयर इंडिया के विमान से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे दलेला का भारतीय दूतावास के उप प्रमुख डॉ. राकेश पांडेय और नेपाल के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने स्वागत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कुछ दिन पहले ही दलेला को नेपाल में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया था। इससे पहले वह विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंधों के सचिव के पद पर कार्यरत थे। दलेला इससे पहले भूटान में भी भारत के राजदूत के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा वह भारतीय विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में नेपाल और भूटान से संबंधित मामलों को देखने वाले नॉर्थ डेस्क के प्रभारी भी रह चुके हैं। नेपाल में भारत के नए राजदूत के रूप में उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संपर्क और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयास जारी हैं। दलेला के नेपाल पहुंचने के बाद अब उनके जल्द ही औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने की उम्मीद है।

ढाका का मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र हुआ अशांत, पुलिस को करना पड़ा बल प्रयोग

एजेंसी। ढाका

देश की राजधानी ढाका का मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र अशांति की चपेट में आ गया है। यहां के कपड़ा उद्योग के कर्मचारी तीन दिन से न्यूनतम वेतनमान 30 हजार टका करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। आसपास के लोग डर के साये में हैं। आज कर्मचारियों और पुलिस के बीच तीखीं झड़पें हुई हैं। पुलिस को स्थिति संभालने के लिए बल प्रयोग का सहारा लेना पड़ा। बावजूद इसके तनाव व्याप्त है। ढाका ट्रिब्यून और बांग्ला ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार कर्मचारियों और पुलिस के बीच बार-बार हुई भागदौड़ और टकराव ने इलाके के कुछ हिस्सों को मानो युद्ध के मैदान में बदल दिया है। मीरपुर-10, मीरपुर-2, मीरपुर-14 और मीरपुर-11 में दहशत फैल गई है। जरूरी काम न होने पर लोग घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं। मीरपुर के पुराबी इलाके में रहने वाले अबू हनीफ ने बताया, रविवार से ही यह इलाका किसी युद्ध क्षेत्र जैसा लग रहा है। सुबह ठीक से जागने से पहले ही साउंड ग्रेनेड की तेज आवाजें और आंसू गैस की तीखी गंध ने जीना दूभर कर दिया है। उन्होंने बताया कि आज सुबह से लेकर दोपहर तक इलाके में तनाव बना रहा। कर्मचारी और पुलिस सड़कों पर एक-दूसरे का पीछा करते रहे। अबू ने कहा, कई लोग बाहर जाने से डर रहे हैं। हमें तो अपने बच्चों को स्कूल भेजने की भी चिंता हो रही है। शरीफुल इस्लाम ने बताया कि आम लोग डर की वजह से अपने घरों से बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। उन्होंने कहा, पुलिस प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर रही है और लोगों से पूछताछ करने के लिए गलियों में घुस रही है। इससे पूरे इलाके में दहशत है। मीरपुर-2 के निवासी कौसर ने बताया कि इन विरोध प्रदर्शनों और झड़पों के बीच इलाके में कोई भी शांति से नहीं रह पा रहा है। उन्होंने कहा, चूंकि लगातार झड़पें हो रही हैं, इसलिए हर कोई डर के साये में है। गृहिणी शरीफा बेगम ने कहा, हमें डरते-डरते बाहर निकलना पड़ता है। कल मैं एक बार बाहर गई थी, लेकिन मुझे तुरंत वापस घर लौटना पड़ा। उसके बाद से मैं बाहर नहीं जा पायी हूं। हर तरफ डर का माहौल है। इलाके में आज चाय की दुकानें बंद मिलीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने दुकानें बंद रखने का निर्देश दिया है। सड़क किनारे मौजूद कई बड़ी दुकानें भी बंद मिली। कपड़ा उद्योग के कर्मचारी कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं और 30,000 टका के न्यूनतम मासिक वेतन की मांग कर रहे हैं। रविवार को प्रदर्शनकारियों के पुलिस की गाड़ी में आग लगा देने से आंदोलन हिंसक हो गया है। मीरपुर में मंगलवार सुबह कई जगहों पर पुलिस और कर्मचारियों के बीच फिर तीखी झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले और साउंड ग्रेनेड छोड़े। कहा जा रहा है कि कर्मचारियों ने भी पुलिस पर हमला किया। पुलिस ने बताया कि उपद्रव फैलाने के आरोप में सोमवार को लगभग छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। पिछले दो दिनों में हुई झड़पों को लेकर 11 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 10 हजार से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया है।

यूक्रेन के जापोरिज्जिया क्षेत्र में रूसी हवाई हमला, 18 लोगों की मौत

एजेंसी। कीव

यूक्रेन के दक्षिण-पूर्वी जापोरिज्जिया क्षेत्र के कोमिशुवाखा गांव में रूसी हवाई हमले में 18 लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को यह जानकारी दी। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर बताया कि रूसी सेना ने सबसे पहले गांव के एक स्कूल को हवाई बमों से निशाना बनाया था। इस स्कूल का इस्तेमाल स्थानीय लोगों को मानवीय सहायता बांटने के लिए किया जा रहा था। उनके अनुसार, शुरूआती हमले के बाद रूसी सेना ने दोबारा हमला किया और नौ और बम गिराए। इस बार निशाना वह आश्रय स्थल था, जहां लोग एकत्र थे। जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूसी सेना को इस बात की जानकारी थी कि कोमिशुवाखा में रह गए लोगों को हर सप्ताह इसी स्थान पर राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने कहा कि यह हमला दशार्ता है कि रूस तनाव कम करने और वास्तविक न्याय की दिशा में आगे बढ़ने का इच्छुक नहीं है।

नेपाल में दो हेलीकॉप्टर की टक्कर में भारतीय नागरिक की मौत, घायल भी भारतीय मूल का

एजेंसी। काठमांडू

सोलुखुम्बु जिले में आज सुबह डायनेस्टी और फिस्टेल एयर के दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर में जान गंवाने वाले विदेशी नागरिक की पहचान हो गई है। सोलुखुम्बु जिला पुलिस कार्यालय के डीएसपी नवीनराज बुढाथोकी के अनुसार, मृतक की पहचान 47 वर्षीय भारतीय नागरिक वसंत कुमार बलारा माडू के रूप में हुई है। वहीं, इस हादसे में भारतीय मूल के 53 वर्षीय न्यूजीलैंड नागरिक शैलेश किसन पटेल घायल हो गए हैं। पुलिस के मुताबिक, फिस्टेल हेलीकॉप्टर के पायलट भी मामूली रूप से घायल हुए हैं, हालांकि तत्काल उनके नाम की पुष्टि नहीं हो सकी है। डीएसपी बुढाथोकी ने बताया कि खुम्बु पासांगल्हामू स्थित फेरिचे में बने हेलीपैड पर आज सुबह लैंडिंग के दौरान दोनों हेलीकॉप्टरों के ब्लेड (पंखे) आपस में टकराने से यह दुर्घटना हुई।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री कल और परसों नेपाल के दौरे पर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री चार एवं पांच नवंबर को नेपाल के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे और कई प्रमुख नेताओं से मुलाकात भी करेंगे। भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और नेपाल के बीच मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जिनमें सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में काफी प्रगति हुई है। विदेश सचिव का यह दौरा दोनों देशों के बीच नियमित उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को आगे बढ़ाएगा और व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने में मदद करेगी। वहीं, नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार मिस्री नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बातचीत में नेपाल-भारत संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी और आपसी हितों के मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर मिलेगा। मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच दोनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। मिस्री नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, विदेशमंत्री शिशिर खनाल सहित वरिष्ठ नेपाली अधिकारियों से शिष्टाचार मुलाकात भी करेंगे। वह पांच नवंबर को नई दिल्ली लौट जाएंगे।

अमेरिका ने ईरान के केशम द्वीप पर किया हमला



एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका ने कतर के अधिकारियों के जरिए ईरान के साथ चल रही समझौते की बातचीत के दौरान केशम द्वीप पर हमला किया है। तीन अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी सेना ने सोमवार को ईरान के केशम द्वीप पर सीमित हमले किए। उन्होंने इसे बचाव की कार्रवाई बताया और कहा इसका मकसद इलाके में मौजूद अमेरिकी संपत्तियों की सुरक्षा करना है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इन तीन अधिकारियों से एक ने बताया कि यह हमला ईरान के एक अमेरिकी विमान पर गोलीबारी करने के जवाब में किया गया। यह कोई बड़ा सैन्य अभियान नहीं है। दूसरे अधिकारी ने कहा, यह कदम बचाव के लिए उठाया गया, क्योंकि ईरान, अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, देश में मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले की गई इस कार्रवाई से लगता है कि ईरान के साथ स्थिति अभी भी सुलझी नहीं है और सैन्य टकराव की संभावना अभी भी बनी हुई है। इस हमले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि प्रशासन ने जानबूझकर इस हमले को गुप्त रखा, ताकि बचाव के इस कदम को जरूरत से ज्यादा तूल न मिले। उन्होंने कहा कि इन हमलों का मकसद अमेरिकी संपत्तियों की सुरक्षा करना था। यह हमला ऐसे समय पर हुआ है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि तेहरान के साथ कूटनीति अभी भी काम कर रही है और एक समझौता "हो सकता है।ट्रंप ने सोमवार रात फॉक्स न्यूज पर एक कार्यक्रम में ईरान में नए हमलों की खबरों पर सीधे तौर पर तो कुछ नहीं कहा, लेकिन ईरान में युद्ध शुरू करने के अपने फैसले का बचाव किया और संकेत दिया कि हाल के दिनों में कोई लड़ाई नहीं हुई है। ट्रंप ने कहा, यह हलका युद्ध है। यह भीषण युद्ध नहीं है। अगर वे कोई समझौता नहीं करते हैं तो युद्ध हो सकता है। लेकिन वे बहुत शिद्दत से समझौता करना चाहते हैं और इस बात की काफी अच्छी संभावना है कि हम कोई समझौता कर लें। उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने भी सोमवार को कुछ ऐसा ही रुख अपनाते हुए पत्रकारों से कहा कि अमेरिका और ईरान ने युद्ध को खत्म करने की दिशा में कुछ प्रगति की है। उपराष्ट्रपति ने कहा, "ईरानी हमेशा थोड़े अप्रत्याशित होते हैं और जैसा कि राष्ट्रपति हमेशा कहते हैं कि उनके पास सैन्य और गैर सैन्य दोनों तरह के विकल्प मौजूद हैं। लेकिन हमने निश्चित रूप से कुछ प्रगति की है। देखते हैं कि क्या हम इसमें और आगे बढ़ सकते हैं। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कतर की अगुवाई में तीन दिनों तक चली अप्रत्यक्ष और बंद दरवाजे की बातचीत से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। ईरान ने सोमवार को कहा कि अब गेंद अमेरिका के पाले में है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को ईरान के साथ बातचीत में प्रगति का संकेत दिया। इससे पहले ट्रंप ने पत्रकारों को बताया कि रविवार को उनकी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अच्छी बातचीत। उनसे ईरान युद्ध पर चर्चा की गई। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि बातचीत को आगे बढ़ने दिया जाए, जबकि नेतन्याहू ईरान पर हमले फिर से शुरू करने का दबाव बना रहे हैं। चुनाव के दिन से पहले सोमवार को लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल पर अपने आखिरी भाषण के दौरान ट्रंप ने कई बार ईरान का जिक्र किया और कहा, यह कोई युद्ध नहीं है। उल्लेखनीय है कि केशम द्वीप ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह शहर से लगभग 14 मील दूर है। यह होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले यातायात पर ईरान का नियंत्रण बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। युद्ध से पहले हर दिन लगभग 2 करोड़ (20 मिलियन) बैरल तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता था। इस युद्ध के दौरान अमेरिका पहले भी इस द्वीप को निशाना बना चुका है।

ज्यादा हीमोग्लोबिन भी हो सकता है खतरे की घंटी, क्या कहती है आपकी ब्लड रिपोर्ट?



एजेंसी। नई दिल्ली

शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर कम होने की स्थिति से लोग अच्छी तरह से वाकिफ हैं. लेकिन अगर ये ज्यादा हो जाए, तो खुश हो जाते हैं. लेकिन क्या ऐसा सही है?हीमोग्लोबिन की कमी की वजह से एनीमिया का खतरा रहता है. आप इस बात से काफी अच्छी तरह से वाकिफ होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल जरूरत से ज्यादा बढ़ जाना भी कई तरह की हेल्थ संबंधी समस्याओं का संकेत हो सकता है. आमतौर पर लोग ब्लड रिपोर्ट में हाई हीमोग्लोबिन देखकर खुश हो जाते हैं. लेकिन असल में ज्यादा हीमोग्लोबिन होना शरीर में छिपी बीमारी का संकेत हो सकता है. दिल्ली स्थित सीके बिड़ला हॉस्पिटल के कंसल्टेंट क्लिनिकल हेमेटोलॉजी डॉ. अनामिका बकलीवाल का कहना है कि हीमोग्लोबिन शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है, इसलिए इसका संतुलित स्तर जरूरी है. अगर आपकी रिपोर्ट में लगातार हीमोग्लोबिन बढ़ा हुआ आ रहा है, तो इसके पीछे की वजह को समझना बेहद जरूरी है. यहां विस्तार से जानते हैं। डॉ. बकलीवाल का कहना है कि हीमोग्लोबिन रेड ब्लड सेल्स में पाया जाने वाला प्रोटीन है, जो शरीर के विभिन्न हिस्सों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है. हालांकि, पर्याप्त हीमोग्लोबिन जरूरी है, लेकिन इसका काफी ज्यादा बढ़ जाना कभी-कभी इस बात का संकेत हो सकता है कि शरीर जरूरत से ज्यादा रेड ब्लड सेल्स बना रहा है. इस स्थिति को एरिथ्रोसाइटोसिस या पॉलीसाइथीमिया कहा जाता है. डॉक्टर का कहना गै कि जब शरीर में पानी की कमी हो जाती है, तो खून का तरल हिस्सा कम हो जाता है. इससे हीमोग्लोबिन का स्तर रिपोर्ट में अधिक दिखाई दे सकता है. इसे रिलेटिव पॉलीसाइथीमिया कहा जाता है. इस स्थिति में रेड ब्लड सेल्स की संख्या वास्तव में नहीं बढ़ती. जब शरीर को लंबे समय तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती, तो किडनी बोन मैरो को ज्यादा लाल रक्त कोशिकाएं बनाने का संकेत देती है. ये समस्या धूम्रपान करने वालों, लंबे समय से फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों, स्लीप एपनिया के मरीजों और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रहने वालों में देखी जा सकती है. दिल्ली जैसे बड़े शहरों में वायु प्रदूषण लंग्स और हार्ट हेल्थ पर नकारात्मक असर डालता है. एक्सपर्ट का कहना है कि इसके ब्लड सेल्स पर पड़ने वाले प्रभावों पर भी अध्ययन कर रहे हैं. हालांकि, सिर्फ प्रदूषण को हाई हीमोग्लोबिन का सीधा कारण मानना सही नहीं होगा, क्योंकि इसके पीछे कई अन्य कारक भी हो सकते हैं. पॉलीसाइथीमिया वेरा बोन मैरो से जुड़ी एक बीमारी है, जिसमें शरीर जरूरत न होने पर भी काफी रेड ब्लड सेल्स बनाता रहता है. ये अक्सर खअड2 जीन में बदलाव से जुड़ी होती है. इसके लक्षणों में सिरदर्द, चक्कर आना, धुंधला दिखाई देना और गर्म पानी से नहाने के बाद खुजली शामिल हो सकते हैं. हालांकि, कुछ मरीजों में कोई लक्षण दिखाई नहीं देते. विशेषज्ञों के अनुसार, पॉलीसाइथीमिया वेरा जैसी स्थितियों में खून गाढ़ा हो सकता है, जिससे रक्त के थक्के बनने का खतरा बढ़ जाता है. इससे स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी गंभीर समस्याओं का जोखिम भी बढ़ सकता है. हालांकि हर व्यक्ति में हाई हीमोग्लोबिन का खतरा समान नहीं होता।

शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ने का क्या मतलब है?

डॉ. बकलीवाल का कहना है कि हीमोग्लोबिन रेड ब्लड सेल्स में पाया जाने वाला प्रोटीन है, जो शरीर के विभिन्न हिस्सों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है. हालांकि, पर्याप्त हीमोग्लोबिन जरूरी है, लेकिन इसका काफी ज्यादा बढ़ जाना कभी-कभी इस बात का संकेत हो सकता है कि शरीर जरूरत से ज्यादा रेड ब्लड सेल्स बना रहा है. इस स्थिति को एरिथ्रोसाइटोसिस या पॉलीसाइथीमिया कहा जाता है.

शरीर में हीमोग्लोबिन किन कारणों से ज्यादा बढ़ जाता है?

डिहाइड्रेशन है बड़ी वजह

डॉक्टर का कहना गै कि जब शरीर में पानी की कमी हो जाती है, तो खून का तरल हिस्सा कम हो जाता है. इससे हीमोग्लोबिन का स्तर रिपोर्ट में अधिक दिखाई दे सकता है. इसे रिलेटिव पॉलीसाइथीमिया कहा जाता है. इस स्थिति में रेड ब्लड सेल्स की संख्या वास्तव में नहीं बढ़ती.

सेकेंडरी एरिथ्रोसाइटोसिस

जब शरीर को लंबे समय तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती, तो किडनी बोन मैरो को ज्यादा लाल रक्त कोशिकाएं बनाने का संकेत देती है. ये समस्या धूम्रपान करने वालों, लंबे समय से फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों, स्लीप एपनिया के मरीजों और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रहने वालों में देखी जा सकती है. क्या वायु प्रदूषण भी हो सकता है कारण हीमोग्लोबिन का स्तर ज्यादा? दिल्ली जैसे बड़े शहरों में वायु प्रदूषण लंग्स और हार्ट हेल्थ पर नकारात्मक असर डालता है. एक्सपर्ट का कहना है कि इसके ब्लड सेल्स पर पड़ने वाले प्रभावों पर भी अध्ययन कर रहे हैं. हालांकि, सिर्फ प्रदूषण को हाई हीमोग्लोबिन का सीधा कारण मानना सही नहीं होगा, क्योंकि इसके पीछे कई अन्य कारक भी हो सकते हैं.

पॉलीसाइथीमिया वेरा क्या है?

पॉलीसाइथीमिया वेरा बोन मैरो से जुड़ी एक बीमारी है, जिसमें शरीर जरूरत न होने पर भी काफी रेड ब्लड सेल्स बनाता रहता है. ये अक्सर खअड2 जीन में बदलाव से जुड़ी होती है. इसके लक्षणों में सिरदर्द, चक्कर आना, धुंधला दिखाई देना और गर्म पानी से नहाने के बाद खुजली शामिल हो सकते हैं. हालांकि, कुछ मरीजों में कोई लक्षण दिखाई नहीं देते.

हाई हीमोग्लोबिन क्यों हो सकता है खतरनाक?

विशेषज्ञों के अनुसार, पॉलीसाइथीमिया वेरा जैसी स्थितियों में खून गाढ़ा हो सकता है, जिससे रक्त के थक्के बनने का खतरा बढ़ जाता है. इससे स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी गंभीर समस्याओं का जोखिम भी बढ़ सकता है. हालांकि हर व्यक्ति में हाई हीमोग्लोबिन का खतरा समान नहीं होता.

